जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

उदयपुर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

उदयपुर, रविवार 26 अक्टूबर, 2025

सत्यमेव जयते
राजस्थान सरकार

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

स्वदेशी अपनाएं
आत्मनिर्भर राजस्थान बनाएं

श्री भजनलाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री

माननीय प्रधानमंत्री **श्री नरेन्द्र मोदी जी** के **75 वें जन्मदिन** से प्रेरित जनसेवा अभियान

सेवा शिविरों से मिली आम जनता को बड़ी राहत

1.95 लाख + पट्टे वितरण	**1.17 लाख +** फार्मर रजिस्ट्री में नए पंजीयन	**1.53 लाख+** भू-राजस्व शुद्धिकरण प्रकरणों का निस्तारण
1.24 लाख + नामान्तरण प्रकरणों का निस्तारण	**2.60 लाख +** मंगला पशु बीमा योजना पॉलिसी	**1.72 लाख +** मूल निवास प्रमाण पत्र
2.04 लाख + जाति प्रमाण पत्र वितरण	**1.25 लाख +** जन्म, मृत्यु एवं विवाह पंजीयन	**1.98 लाख+** सामाजिक सुरक्षा पेंशनर्स सत्यापन
95.8 हजार + खाद्य सुरक्षा पोर्टल पर आवेदनों की स्वीकृति	**25 हजार +** स्वनिधि योजनांतर्गत ऋण आवेदन	**1.48 लाख +** जनधन योजना में बैंक खाते खोले
1.13 लाख + जन आधार योजना में अद्यतन / संशोधन	**75.6 हजार +** वय वंदन कार्ड जारी	**17.06 लाख +** किशोरियों एवं गर्भवती महिलाओं की एनीमिया की जांच
10.77 लाख + नागरिकों की टी.बी. रोग स्क्रीनिंग	**24.36 लाख +** लोगों का स्वास्थ्य शिविर में उपचार	**1.42 लाख +** नई स्ट्रीट लाइट / सुधार

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, राजस्थान

राजस्थान संवाद

विचार बिन्दु

हमारी आनंदपूर्ण बदकारियाँ ही हमारी उत्पीड़क चाबुक बन जाती हैं। –शेक्सपियर

रामचरितमानस की समकालीन व्याख्या के दार्शनिक सूत्र

रामचरितमानस पर विगत शताब्दियों में असंख्य टीकाएँ, भाष्य और प्रवचन हुए हैं–किंतु उनमें अधिकांश या तो कथा–प्रवाह के रूप में सीमित रहे हैं, या केवल धार्मिक और भावनात्मक पक्ष को ही प्रतिध्वनित करते रहे हैं। समकालीन वैश्विक विमर्शों–जैसे मानव उत्कर्ष, आत्मबोध, नैतिक नेतृत्व, संज्ञानात्मक विज्ञान, प्रसन्नता का विज्ञान, प्रज्ञा का विज्ञान, जीवन में अर्थ की अनुभूति, और नैतिक निर्णय का मनोविज्ञान आदि–के आलोक में मानस के सैद्धांतिक पद्यों की गूढ़ व्याख्या की जो आवश्यकता थी,वह अब तक उपेक्षित रही है। यह प्रस्तुति इस रिक्ति की पूर्ति का एक निष्ठावान प्रयास है–जिसमें तुलसीकृत पदों को आधुनिक मानव के बौद्धिक, नैतिक, भावनात्मक और सामाजिक जीवन से इस प्रकार जोड़ा गया है कि वे पूज्य रहकर भी प्रयोज्य बनें; केवल कथ्य न रहकर पथ्य बनें। ऐसी समन्वित, संवादधर्मी और तात्त्विक व्याख्या पूर्ववर्ती परंपरा में दुर्लभ है–और संभवतः पहली बार इस प्रकार के विमर्श में मानस को वैश्विक और समसामयिक अर्थ–स्तरों पर प्रतिष्ठित किया गया है।

नवोन्मेषी,तात्त्विक और समसामयिक दृष्टिकोण से की गईरामचरितमानसकी यह व्याख्या आज के वैश्विक परिदृश्य में केवल आध्यात्मिक नहीं,बल्कि सामाजिक, मानसिक, आर्थिक, नैतिक, पर्यावरणीय और वैश्विक शांति के स्तर पर भी एक गहन मार्गदर्शक बनकर उभरती है। आज जब विश्व समाज मानसिक स्वास्थ्य संकट, सामाजिक विषमता, आर्थिक असंतुलन,नैतिक भ्रम,पारिवारिक विघटन, पर्यावरणीय पतन और अंतरराष्ट्रीय तनावों के दौर से गुजर रहा है–तब मानस का यह पुनर्पाठ आत्मबोध, करुणा, अर्थपूर्ण जीवन, और विवेकपूर्ण निर्णय की ओर एक ठोस सांस्कृतिक–सांवैधानिक सेतु प्रस्तुत करता है, जो मानव उत्कर्ष के समकालीन वैज्ञानिक प्रतिमानों से गहराई से मेल खाता है।

सामाजिक स्तर पर यह व्याख्या सम्मान, संवाद और समावेशिता के माध्यम से सामाजिक बंधुत्व और न्याय आधारित सह–अस्तित्व को पोषित करती है। आर्थिक क्षेत्र में यह सीमित उपभोग, नैतिक उत्पादन, और सहकारी विकास की प्रेरणा देती है। पारिवारिक जीवन में यह स्नेह, श्रम और सम्मान के तंतु बुनती है, जो सामूहिक मानसिक स्वास्थ्य और आपसी विश्वास की आधारशिला बनाते हैं।

पर्यावरणीय दृष्टि से मानस की के माध्यम से पृथ्वी को धर्मस्वरूप मानने की चेतना को पुनर्स्थापित करती है–जो आधुनिक पारिस्थितिक नैतिकता और जलवायु न्याय से सीधे जुड़ती है। यह दृष्टिप्रकृति के साथ युद्ध नहीं, संवाद और संतुलन को प्राथमिकता देती है।

और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर–जहाँ युद्ध, उग्रवाद, और सभ्यताओं के संघर्ष की आशंकाएँ गहराती जा रही हैं–रामचरितमानस की यह मानवतावादी व्याख्या परहित सरिसधरमनहिं भाई जैसे मूल्यों को विश्व चेतना में स्थापित कर सकती है। यह शांति केवल युद्धविराम नहीं, बल्किअंतः शांति, सांस्कृतिक सहिष्णुता, औरनैतिक कूटनीति के मार्ग से आती है। इस संदर्भ में मानस की यह प्रस्तुति वैश्विक शांति–निर्माण और संघर्ष–परिवर्तन के लिए एक नैतिक–दार्शनिक ढांचा प्रदान करती है।

इस प्रकार यह समन्वित व्याख्या रामचरितमानस को केवल एक धार्मिक ग्रथ नहीं, बल्कि 21वीं सदी की बहुआयामी वैश्विक चुनौतियों–मानवता, प्रकृति और विश्व व्यवस्था–के समाधान का एक जीवंत स्त्रोत बनाकर प्रस्तुत करती है। यह अतीत के शाश्वत सत्य को वर्तमान की भाषा में अनुवादित कर भविष्य की दिशा प्रस्तावित करती है–जहाँ आस्था और बौद्धिकता, परंपरा और नवोन्मेष, भारत और विश्व–एक ही संवाद में समाहित हो सकें।

रामचरितमानस केवल एक भक्तिग्रंथ नहीं, अपितु भारतीय चेतना की बहुलवर्णी धारा है, जिसमें शब्द केवल वर्ण नहीं, जीवित मूल्य बनकर प्रवाहित होते हैं। यह काव्य उस सांस्कृतिक आत्मा का साक्षात् रूप है, जो युगों–युगों से मानव को केवल ईश्वर की ओर नहीं, अपने भीतर की समष्टिगत दिव्यता की ओर ले जाती रही है। इसके पद्यरूप–दोहा, चौपाई, सोरठा और विविध छंद–जैसे विभिन्न स्तरों पर एक ही सत्य की बहुभाषिक अभिव्यक्ति हैं। उनमें कथा की सरलता, भावना की तीव्रता और सिद्धांत की गंभीरता का ऐसा त्रिवेणी–संगम है, जो मानस को केवल पाठ नहीं, प्रज्ञा, प्रेम और पुरुषार्थ का अद्वितीय प्रकाशपुंज बना देता है। इसीलिए, इस व्याख्या का ध्येय केवल व्याख्यान नहीं, आत्मसात् है–जिसमें हम मानस के सैद्धांतिक पद्यांशों को समकालीन दृष्टिकोण से देखने का साहस करें, और उन्हें जीवन में उतारने की दिशा प्राप्त करें।

रामचरितमानस की रचना केवल एक काव्य नहीं, अपितु एक समग्र जीवन–दर्शन है, जो भाषा, भक्ति और बुद्धि को समान रूप से आलोकित करता है। इसमें प्रयुक्त दोहे, चौपाइयाँ, सोरठे और छंद केवल भावनात्मक कविता नहीं हैं, वे अर्थ, भावना और दृष्टि के वाहक हैं। तुलसीदास ने इस ग्रंथ में ऐसी रचनात्मक संरचना की है जो कथा, भावना और सिद्धांत–तीनों को समान समर्पण से प्रस्तुत करती है। यदि हम इसकी पद्यविन्यास को अंतर्वस्तु के आधार पर देखें, तो मोटे रूप में तीन प्रकार के पद्य–कथानक, भावप्रधान और सैद्धांतिक–स्पष्ट होते हैं।

> **रामचरितमानस की रचना केवल एक काव्य नहीं, अपितु एक समग्र जीवन-दर्शन है, जो भाषा, भक्ति और बुद्धि को समान रूप से आलोकित करता है। इसमें प्रयुक्त दोहे, चौपाइयाँ, सोरठे और छंद केवल भावनात्मक कविता नहीं हैं, वे अर्थ, भावना और दृष्टि के वाहक हैं। तुलसीदास ने इस ग्रंथ में ऐसी रचनात्मक संरचना की है जो कथा, भावना और सिद्धांत-तीनों को समान समर्पण से प्रस्तुत करती है।**

कथानक अंशों में रामकथा के विविध प्रसंग–जैसे श्रीराम का जन्म, वनगमन, युद्ध और राज्याभिषेक–का प्रवाह होता है। ये चौपाइयाँ कथा की गति को वहन करती हैं, पर वे केवल घटनाओं का विवरण नहीं, नैतिक दृष्टिकोण भी प्रस्तुत करती हैं। ये पद्य आज के समय में लोकहितकारी नेतृत्व जैसे विचारों को प्रत्यक्ष या प्रतीकात्मक रूप में प्रकट करते हैं।

भावप्रधान अंश मानस की आत्मा हैं। ये वे पद्य हैं जो श्रद्धा, प्रेम, करुणा, त्याग और भक्ति जैसे भावों को गहराई से स्पर्श करते हैं। ये केवल भक्तिपूर्ण अभिव्यक्तियाँ नहीं, बल्कि पूर्ण आत्मसमर्पण और आत्म–दया की उस परंपरा से जुड़ी हैं जो आज मानसिक स्वास्थ्य, आत्म–सम्मान और आत्म–स्वीकृति के विमर्शों में अत्यंत प्रासंगिक मानी जाती है।

परंतु सबसे महत्वपूर्ण और आज के संदर्भ में अत्यंत उपयोगी, मानस के सैद्धांतिक पद्य हैं। यहीं वह गूढ़ तत्व प्रकट होता है जो रामचरितमानस को एक सार्वकालिक जीवन–संहिता बना देता है। इन अंशों में तुलसीदास ने वैदिक ज्ञान, उपनिषदों की तत्वमीमांसा, भक्ति–सूत्रों की भावना और योगदर्शन की मनोवैज्ञानिक अंतर्दृष्टियों को अत्यंत सरल अवधी भाषा में प्रस्तुत किया है। यह केवल आध्यात्मिक अनुभूति नहीं, बल्कि संज्ञानात्मक–भावनात्मक आरोपण का सूत्र है–जिससे यह समझा जा सकता है कि व्यक्ति जैसा सोचता है, वैसा ही अनुभव करता है। उसकी चेतना जिस प्रकार ढली होती है, उसी प्रकार उसका ईश्वर, संसार और स्वयं का बोध निर्मित होता है।

इन सैद्धांतिक अंशों को समकालीन संदर्भ में समझना इसलिए आवश्यक है क्योंकि आज मानवता केवल बाह्य संसाधनों से नहीं, आंतरिक क्षमताओं से भी संघर्ष कर रही है। आज का वैश्विक विमर्श मानव उत्कर्ष की ओर उन्मुख है, जिसमें केवल शारीरिक या आर्थिक सफलता नहीं, बल्कि भावनात्मक संतुलन, आत्मबोध, नैतिक स्पष्टता, संबंध बुद्धि और उद्देश्यपरक जीवन को मिलाकर समग्र जीवन की परिकल्पना की जाती है। रामचरितमानस के सैद्धांतिक पद्य इसी दिशा में सूक्ष्म और प्रासंगिक मार्गदर्शन देते हैं।

नीतिपरक कथनों में संबंधों की परीक्षण–क्षमता, गुणधर्म आधारित नैतिकता और संकट में धैर्य एवं दृढ़ता जैसे तत्त्व अंतर्निहित होते हैं–जो आज के नेतृत्व और मनोविज्ञान के केंद्र में हैं। ये केवल आदर्श स्थापित नहीं करते, बल्कि मूल्याधारित प्रतिक्रिया को संभव बनाते हैं।

इसी प्रकार समावेशी चेतना और गहन सहानुभूति जैसी अवधारणाएँ, जो आज के वैश्विक नैतिक विमर्श का आधार हैं, मानस के उन सूत्रों में सहजता से व्यक्त होती हैं जहाँ प्रत्येक प्राणी को राममय देखा जाता है। यह दृष्टि केवल धार्मिक सहिष्णुता नहीं सिखाती, बल्कि आंतरिक गरिमा और सार्वभौमिक सम्मान का अभ्यास कराती है।

समकालीन वैश्विक दर्शन में भी वही अंतर्दृष्टियाँ अब पुनः प्रगट हो रही हैं–जैसे अस्तित्ववादी मनोविज्ञान में अर्थ–रचना की भूमिका, सकारात्मक मनोविज्ञान में कृतज्ञता, करुणा और उद्देश्य, तंत्रिका–विज्ञान में ध्यानात्मक अवस्थाओं द्वारा मानसिक लचीलापन और सार्वजनिक नैतिकता में गरिमा–आधारित नेतृत्व आदि हैं। रामचरितमानस के सैद्धांतिक पद्य इन सभी से गहन संवाद करते हैं–उनसे टकराते नहीं, बल्कि उन्हें नवाचारी, कल्याणकारी और पूरक दृष्टि प्रदान करते हैं।

इसलिए जब मैं रामचरितमानस के सैद्धांतिक अंशों की समकालीन व्याख्या करता हूँ, तो मेरा उद्देश्य केवल परंपरा का अनुकरण करना नहीं, बल्कि संवादात्मक ज्ञान का अभ्यास करना है। यह प्रयास इस विश्वास से प्रेरित है कि मानस न तो केवल पूज्य ग्रेंथ है, न केवल सांस्कृतिक स्मृति है। यह एक जीवंत जीवन–व्यवस्था है, जिसमें व्यक्ति की चेतना, उसका चरित्र और उसका समुदाय–तीनों के लिए गहरा मार्गदर्शन समाहित है। यदि हम इसे केवल पूजेंगे, तो यह मूर्ति बनकर रहेगा। यदि इसे समझेंगे, तो यह दर्पण बनेगा। और यदि इसे जीएँगे, तो यह जीवन–पद्धति बन जाएगा–जिससे न केवल व्यक्ति, बल्कि समाज और संस्कृति–तीनों स्पष्टता, श्रद्धा और विवेक के साथ समृद्ध हो सकेंगे। यही मानस का समकालीन और वैश्विक सत्य है।

आज जब मानवता बाह्य साधनों की प्रचुरता और आंतरिक दिशाहीनता–दोनों के द्वंद्व में उलझी हुई है, तब रामचरितमानस के सैद्धांतिक अंश हमें स्थायित्व, विवेक और करुणा की पुनःस्थापना का आव्हान करते हैं। यह ग्रंथ हमें स्मरण कराता है कि अध्यात्म केवल सन्यास नहीं, अपितु संलग्न कर्म में सार्थकता की खोज है; कि भक्ति केवल भावुकता नहीं, अपितु समर्पित विवेक का नाम है; और कि जीवन की प्रत्येक चुनौती–चाहे वह व्यक्तिगत हो या सामाजिक–उसकी गूंज मानस की किसी चौपाई में पूर्वाभासित है। जब हम इन गूढ़ पद्यों को समकालीन संदर्भ में समझते हैं, तो न केवल ग्रंथ जीवंत होता है, बल्कि हम स्वयं भी अधिक जागरूक, उत्तरदायी और करुणाशील मानव बनते हैं। यही रामचरितमानस की सार्वकालिक और सार्वभौमिक विजय है–कि वह समय के साथ, हर युग के साथ और अधिक प्रासंगिक हो उठता है।

व्याख्या जारी रहेगी!

–अतिथि सम्पादक,
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय
(इंडियन फारेस्ट सर्विस से सेवानिवृत्त, वर्तमान में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान में विजिटिंग प्रोफेसर)
(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं।)

न्याय और पारदर्शिता की बजाय लैंड रिकॉर्ड मॉडर्नाइज़ेशन योजना लापरवाही से अन्याय का औजार बन गई

सुचित्रा आर्य

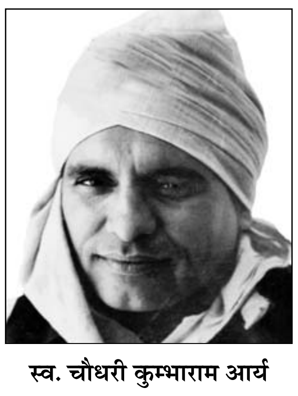

स्व. चौधरी कुम्भाराम आर्य

26 अक्टूबर वह तिथि है, जो केवल एक व्यक्ति की पुण्यतिथि नहीं, बल्कि एक विचार, चेतना और युग की स्मृति है। यह वही दिन है जब किसानों के अधिकारों के अग्रदूत, न्याय और समता के प्रतीक चौधरी कुम्भाराम आर्य इस धरती से विदा हुए थे। वे उन विरले जननायकों में थे जिनके शब्द नीति बन गए और जिनकी दृष्टि ने किसानों को सामंती अंधकार से निकालकर अधिकारों के प्रकाश में ला खड़ा किया। सन् 1944 में बीकानेर रियासत के इतिहास ने नई करवट ली जब चौधरी साहब ने पहली बार भूमि रिकॉर्ड तैयार करने की मांग रखी। यह केवल प्रशासनिक सुधार नहीं था, बल्कि किसानों की गरिमा और आत्मसम्मान का घोष था। वे जानते थे कि जब तक किसान कागज़ पर अदृश्य है, उसका अस्तित्व भी असुरक्षित है। उनका मानना था–अधिकार की नींव कागज़ में नहीं, सत्य में होती है; पर उस सत्य को प्रमाण कागज़ ही देता है।

उनके नेतृत्व में राजस्थान ने भूमि सुधारों की वह यात्रा शुरू की, जिसने किसान को खेत की मिट्टी से नहीं बल्कि उसके अधिकार से जोड़ा। काश्तकारी अधिनियम पारित हुआ, खातेदारी अधिकारों की स्थापना हुई और 1952 से 1966 तक चले भूमि सुधार कार्यक्रमों ने ग्रामीण समाज में क्रांतिकारी परिवर्तन किए। राजस्व नियमों के अनुसार हर बीस वर्ष में भूमि अभिलेखों का पुनः सर्वेक्षण होना चाहिए। 1972 में कांग्रेस सरकार के समय अंतिम बार पैमाइस और रिकॉर्ड दुरुस्ती हुई थी, पर उसके बाद दशकों तक प्रशासनिक सुस्ती छाई रही। सीमाएँ बदलीं, खेतों का आकार घटा–बढ़ा, मगर अभिलेख पुराने ही रहे। इस उपेक्षा ने भविष्य के विवादों की नींव रख दी, जिसके दुष्परिणाम आज किसान भुगत रहे हैं।

2019 में डिजिटल इंडिया लैंड रिकॉर्ड : मॉडर्नाइजेशन प्रोग्राम (DILRMP)" योजना शुरू हुई तब से अब तक इस योजना के अंतर्गत प्रदेश के 11 जिलों की 134 तहसीलों में सर्वे–रिसेर्वे कार्य चल रहा है! योजना का उद्देश्य था–भूमि अभिलेखों को पारदर्शी, सटीक और डिजिटल बनाकर किसानों को आत्मनिर्भर बनाना। योजना जितनी आकर्षक सुनाई दी, उसका क्रियान्वयन उतना ही अव्यवस्थित और निराशाजनक निकला। हनुमानगढ़ जिले की रावतसर तहसील इसका ताजा उदाहरण है। ग्राम पंचायत मोटेर सहित लगभग 12 गाँवों में रिकॉर्ड मॉडर्नाइजेशन के नाम पर हुए सर्वेक्षण में भारी अनियमितताएँ सामने आईं। सेटलमेंट टीमों ने नए नक्शों में खेतों की सीमाएँ बदल दीं, किसानों की वास्तविक भूमि से छेड़छाड़ कर नए रेखांकन तैयार किए, जबकि नियमानुसार यह कार्य गाँव की सीमा से शुरू होकर प्रत्यक्ष निरीक्षण द्वारा होना चाहिए था। न ग्राम सभा बुलाई गई, न किसानों से संवाद हुआ। अधिकारी मान बैठे कि खेत उपग्रहों से नापे जा सकते हैं, और सारा सर्वे दफ्तरों में उपग्रह चित्रों के सहारे पूरा हुआ।

यदि ये त्रुटिपूर्ण नक्शे अंतिम रूप ले लिए गए, तो किसान वर्षों तक अपनी ही भूमि के सत्य को अदालतों में सिद्ध करता रहेगा। जहाँ रिकॉर्ड में गलती हुई, वहाँ अधिकार संदिग्ध हो गए; जहाँ सीमाएँ बदलीं, वहाँ पड़ोसी विवाद भड़क उठे हैं परिणामस्वरूप अनेक किसानों की ज़मीन का रकबा घट गया, सीमाएँ उलझ गईं और उनका विश्वास प्रशासनिक व्यवस्था से डगमगा गया। यह केवल मोटेर या हनुमानगढ़ की कहानी नहीं, बल्कि पूरे राज्य के प्रशासनिक चरित्र की परीक्षा है। यदि यही स्थिति रही तो आने वाले वर्षों में हजारों किसान तहसीलों और अदालतों के चक्कर काटते रहेंगे। रिकॉर्ड मॉडर्नाइजेशन का उद्देश्य जहाँ विवाद मिटाना था, वहीं यह अब विवादों की जड़ बन गया है।

दुर्भाग्य यह भी है कि इस प्रक्रिया के महत्व को अधिकांश जनप्रतिनिधि समझ ही नहीं पाए हैं। जो योजना किसान की सुरक्षा के लिए बनी थी, वह आज उसकी असुरक्षा का कारण बन गई है। यह केवल विडंबना नहीं, नीति–निष्ठा की परीक्षा है। किसान जाए तो जाए कहाँ? सरकारी गलती सुधारने की ठोस व्यवस्था नहीं, स्थानीय प्रतिनिधियों में जानकारी का अभाव और प्रशासनिक जवाबदेही का संकट – इन सबके बीच किसान उसी भूमि पर अस्थिर खड़ा है।

सरकार को चाहिए कि इस योजना को केवल तकनीकी परियोजना न मानकर किसान के अधिकार–संरक्षण के अभियान के रूप में देखे। प्रत्येक तहसील में पुनः सर्वेक्षण कराया जाए, ग्राम सभाओं की भागीदारी सुनिश्चित की जाए, और योजना की निर्देशिका के अनुरूप 'मौका स्थिति' का भौतिक सत्यापन करते हुए ही रिकॉर्ड तैयार किए जाएँ। कृषि भूमि धारक, गोचर, औरण, जोहड़–पायतन तथा आबादी भूमि पर कौन, कहाँ और किस स्थिति में काबिज है–यह विवरण सटीक रूप से दर्ज किया जाए। जो कंपनियाँ नियमों की अवहेलना कर रही हैं या बिना स्थलीय सत्यापन के रिपोर्ट दे रही हैं, उनके विरुद्ध कठोर कार्रवाई अनिवार्य की जाए। भूमि का आधुनिकीकरण केवल डेटा में नहीं, बल्कि किसान के विश्वास और अधिकार में प्रतिबिंबित होना चाहिए।

–सुचित्रा आर्य,
पूर्व विधायक एवं पूर्व उपाध्यक्ष, कृषि उद्योग विकास बोर्ड, राजस्थान

अफसरों की लापरवाही से हुए हादसों से मौतों पर सस्पैंशन काफी नहीं, जेल हो और पेंशन बंद हो

प्रो. वीर बहादुर सिंह

स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात देश में सरकारी अफसरों और कर्मचारिओं की बढ़ती लापरवाही और घूसखोरी से आम जनता के हेतु बनी सुविधाओं से नित घटित होती नई दुर्घटनाओं में सैकड़ों लोगों की बिना उनके किसी अपराध के जान चली जाती है। ऐसी दुर्घटनाएं इस लोकतंत्र में एक आम बात है जो इस देश की जनता के लिए दुर्भाग्य के अतिरिक्त कुछ नहीं। लोगों को यह अहसास होना चाहिए कि पचहत्तर वर्ष में आदमी ही शरीर से जर्जर हो जाता है और कई उससे पहले ही अपनी स्वर्गलोक की यात्रा पर निकल लेते हैं फिर जर्जर हुआ लोकतंत्र कैसे संबल बना रह सकता है ?

इससे बढ़कर भी और दुर्भाग्य है कि संविधान जो बाबा साहब ने पचहत्तर वर्ष पूर्व लिखा था उस काल की परिस्थितिओं का आंकलन करते हुए, कैसे आज की स्तिथिओं में वह जनहित में बना रह सकता है? क्या उसमे वक्त के अनुसार बदलाव की कोई गुंजाइश नहीं? कई दिमागी तौर पर मूर्ख नेता यह कहते नहीं अघाते कि यह किताब परमानेंट है, स्थिर है और अपरिवर्तनीय है। बाबा साहेब यदि जीवित रहते तो वे लोक और उसके तंत्र की हालत देखकर अभी तक कितने अनगिनित बदलाव कर देते और संभवतया पूरी किताब ही बदल डालते ?

अभिशप्त है देश की जनता वह न तो बाबा साहेब को समझ पाई और न उनकी लिखी पुस्तक में निहित भावना को। मैं यह मानता हूँ कि बाबा साहेब के समय देश की जनता घोर अशिक्षितता से ग्रसित थी और बाद के सालों में शिक्षित तो बनी परन्तु मूढ़ होती चली गई। आज देश की स्थिति ऐसी हो चुकी है कि विदेशी कोई भी आक्रांता अपने हुनर और पटाओ तकनीक से देश पर बिना खून खराबे के काबिज होकर शासन कर सकता है। आम जनता में कुब्बत बची ही नहीं और जो जीवंत है भी, उसे सत्तर सालों में पैदा हुए अहिरावण, हरने के लिए तैयार बैठे हैं।

एक अखबार में छपे अभी हाल का प्रकरण, राजस्थान के जैसलमेर जिले में एक एयर कंडीशन बस में आग लगने से सवारियां बाहर निकल ही नहीं सकीं, बस के खिड़किओं के शीशे भी जाम थे, इमरजेंसी गेट भी बंद मिला वहां एक यात्री सीट लगाकर उस गेट के महत्व को ही ख़त्म किया हुआ था। बीस यात्री तो जल के उसी में मर गए। केवल चार लोग किसी प्रकार कूद गए लेकिन सोलह यात्री बुरी तरह झुलस गए। यह दुर्घटना लापरवाही और समयावधि से उचित देखरेख के आभाव में घटी।

अखबार कहता है कि एसी गैस लीक होने और शार्ट सर्किट के कारण आग लगी। प्रश्न उठता है कि बस में आग बुझाने का यंत्र था अथवा नहीं? आग बुझाने का क्रियाशील यंत्र होने पर आग दिखते ही बुझाई जा सकती थी और एक बड़े हादसे को रोका जाना संभव था। सरकारी लापरवाही की हद तो तब हो गयी जब झुलसे हुए लोगों को प्राथमिक उपचार के लिए निकट कोई ट्रॉमा अस्पताल नहीं मिला। यह भी आज़ाद देश की आज़ादी का एक नमूना है या तोहफा।

अखबार की खबर के अनुसार हादसे से 280 किलोमीटर तक कोई मेडिकल सुविधा उपलब्ध नहीं थी। खबर कहती है कि 100 ट्रॉमा सेण्टर प्रदेश में बनने थे, उनके टेंडर भी हो चुके थे लेकिन वे सभी अकारण निरस्त कर दिए गए और बाद में पुन: टेंडर नहीं किये गये, क्यों? किस अफसर ने मना किया कि पुन: टेंडर नहीं करनें हैं? यह मसला वर्ष 2021 का है जब केंद्र सरकार ने 85 करोड़ रुपये प्रति ट्रॉमा सेण्टर के हिसाब से राज्य को धन दिया था उस समय कहते हैं कि राजस्थान में कांग्रेस की गहलोत सरकार थी। जो वर्ष 2024 तक कार्यरत रही जब तक कि बीजेपी की सरकार नहीं बन गई।

यह हादसा अनेक प्रश्न छोड़ता है। केंद्र के धन उपलब्ध करने के पश्चात् भी राज्य ने ट्रॉमा सेण्टर क्यों नहीं बनाये? कौन मंत्री, कौन सचिव इस लैप्स के लिए दोषी हैं? तबके मुख्यमंत्री सहित, सम्बंधित मंत्री और सचिव को वर्तमान सरकार यथा शीघ्र सलाखों के अंदर डाले ताकि यह मिसाल बन सके आगे के लिए कि ऐसा जन विरोधी लैप्स कोई मंत्री या सचिव न कर सके। जब अनेक जिंदगीयां हादसे में स्वाह हो जाती हैं तो उन्हें बचाने के लिए यदि सजा के बतौर दो–तीन सरकारी लोग कुर्बान किये जा सकें तब भी कुल मिलाकर सौदा सस्ता ही रहेगा।

जब तक प्रदेश की जनता अपने और अपनों के हित के लिए उद्वेलित नहीं होगी सरकारी लापरवाहियां घटती रहेंगी। क्योंकि इस लोकतंत्र में प्रशासन अपने आप सक्रीय नहीं होता जब तक कि कोई पुलिस रिपोर्ट अथवा जन आंदोलन सरकार की खुमारी नहीं उडा दे लोग ऐसे ही बेमौत मरते रहेंगे और मंत्री, मुख्यमंत्री घड़ियाली आंसू बहा कर जनता के ही टैक्स से अर्जित धन में से ऐसी मौतों पर एक दो लाख रुपये मृतकों के परिजनों को सांत्वना स्वरुप मुआवजा देकर अपनी जिम्मेदारी की इति श्री कर लेगी और परिजन धन प्राप्त कर मरने वाले को दुआएं देते नहीं थकेंगे और सांत्वना देने वाली सरकार की जय बोलते रहेंगे।

किसी भी सामाजिक समूह में अथवा किसी भी व्यक्ति में यह साहस है कि वह पूछ सके कि अमुक कार्य में लापरवाही क्यों? काम पूरा करने में देरी क्यों? घटिया काम क्यों? ऐसे सवाल हर जागरूक नागरिक की जुबान पर होने चाहिए। जैसलमेर ज़िले की यह बस दुखांतिका में उपजे अनेक सवालों से सम्बंधित सरकारी मंत्री और सचिव आदि से उनके उत्तर माँगना अब आवश्यक हो गया है, यथा शीघ्र नोटिस देकर सबसे पहले जिम्मेदारों –आरटीओ, बस पंजीयक, वित्त सचिव, यातायात सचिव और तत्कालीन मुख्य मंत्री को समेटते हुए वर्तमान सरकार अपनी सामर्थ से उदाहरणीय सजा दे ऐसी अपेक्षा की जाती है जिससे लापरवाही के कारण मौत के मुंह में जाने से लोग बच सकें। वर्तमान भारतीय जनता पार्टी की सरकार में क्या इतना साहस है कि वह यह सब कर सके ?

–प्रो. वीर बहादुर सिंह,
सेवा निवृत पूर्व कुलपति,
स्वतंत्र विचारक और लेखक,
उदयपुर।

चिकित्सीय लापरवाही के मामले में उपभोक्ता आयोग ने मरीज के पक्ष में फैसला सुनाया

- **आपरेशन में लापरवाही बरतने पर मरीज की एक आंख की रोशनी चली गई थी**
- **साढ़े छह लाख रूपए की मुआवजा राशि 10 साल के ब्याज के साथ देनी होगी**

झुंझुनूं, (निसं)। जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग के अध्यक्ष मनोज कुमार मील एवं सदस्य प्रमेंद्र कुमार सैनी की बैंच ने एक महत्वपूर्ण निर्णय में चिकित्सीय लापरवाही के मामले में मरीज के पक्ष में फैसला सुनाया है। आयोग ने सेठ आनंदराम जयपुरिया नेत्र हॉस्पिटल स्टेशन रोड नवलगढ़ व चिकित्सक डॉ. ईसरत सदानी को छह लाख पचास हजार रुपए का मुआवजा 45 दिवस के भीतर पीड़िता को अदा करने के आदेश दिए हैं।

उपभोक्ता आयोग अध्यक्ष एवं पीठासीन अधिकारी मनोज कुमार मील ने फैसले में लिखा है कि प्रकृति ने मानव, पशु–पक्षी में कोई भेदभाव नहीं करते हुए सभी को दो आंखों का उपहार दिया है। एक–एक आंख का अपना अलग महत्व है। जब एक मानव अपनी पीड़ा लेकर चिकित्सक के पास आता है, तो वह उम्मीदों से भरा रहता है। वह चिकित्सक पर उसी रूप में विश्वास करता है, जिस प्रकार एक सद्भावी व्यक्ति अपने ईष्ट देवता या प्राकृतिक रूप से मौजूद सूर्य, जल, वायु व अग्नि के होने का विश्वास करता है। आयोग की टिप्पणी है कि इस प्रकरण में माननीय सुप्रीम कोर्ट द्वारा मेडिकल नेगलीजेंसी के मामलों में सुस्थापित विधि की अवधारणा परिस्थितियां स्वयं बोलती है का सिद्धांत लागू होता है। गौरतलब है कि वर्ष 2012 में परिवादी श्रीराम पुत्र नारायणराम निवासी जोगियों का बास तहसील लक्ष्मणगढ़ जिला सीकर ने आंख के उपचार के लिए सेठ आनंदराम जयपुरिया नेत्र हॉस्पिटल नवलगढ़ में ऑपरेशन करवाया था। ऑपरेशन के बाद मरीज को आंख में तेज दर्द, सूजन और दिखाई देने में परेशानी बनी रही। लगातार इलाज के बावजूद कोई सुधार नहीं हुआ। परिवादी ने वापस ऑपरेशन करने वाले चिकित्सक को दिखाया तब उसे दवाइयां दी गई, लेकिन तीन माह से अधिक समय बीत जाने पर भी स्वस्थ नहीं होने पर उसने झुंझुनूं, पिलानी, सीकर के बाद जयपुर स्थित एसएमएस अस्पताल में नेत्र विशेषज्ञ चिकित्सकों को दिखाया, तो बताया गया कि आंख में लैंस सही नहीं लगाया गया है। परिवादी की नेत्र की रोशनी जाने पर उसने जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग में परिवाद पेश किया।

राशिफल रविवार 26 अक्टूबर, 2025

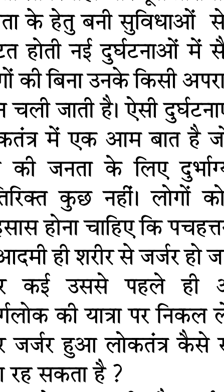

पंडित अनिल शर्मा

कार्तिक मास, कृष्ण पक्ष, पंचमी तिथि, रविवार, विक्रम संवत 2082, ज्येष्ठा नक्षत्र प्रातः 10:47 तक, शोभन योग प्रातः 6:45 तक, बव करण सायं 4:57 तक, चन्द्रमा प्रातः 10:47 से धनु राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य–तुला, चन्द्रमा–वृश्चिक, मंगल–तुला, बुध–वृश्चिक, गुरू–कर्क, शुक्र–कन्या, शनि–मीन, राहु–कुम्भ, केतु–सिंह राशि में।

आज रवियोग दिन 10:47 तक है। सर्वार्थ सिद्धि योग दिन 10:47 से सूर्योदय तक है। आज सौभाग्य पंचमी व्रत, पांडव और लाभषचमी ज्ञान पंचमी है। आज से सूर्य षष्ठी व्रत तीन दिन का आरम्भ होगा।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः चर 8:00 से 9:24 तक, लाभ अमृत 9:24 से 12:11 तक, शुभ 1:34 से 2:58 तक।

राहूकालः 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 6:36, सूर्यास्त 5:46 तक

मेष
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। व्यक्तिगत खर्चों में वृद्धि हो सकती है।

वृष
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। मित्रों/रिश्तेदारों से अनबन हो सकती है। परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।

मिथुन
परिवार में धार्मिक–सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। घर–परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

कर्क
अस्त–व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। स्वास्थ्य में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। घर–परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा।

सिंह
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित धन प्राप्त होगा। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। धार्मिक कार्यों पर धन खर्च हो सकता है।

कन्या
घर–परिवार में सुख–सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यक्तिगत प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

तुला
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृश्चिक
व्यक्तिगत पारिवारिक कार्यों के कारण बाहर जाना पड़ सकता है। परिवार में आवश्यक कार्यों पर धन खर्च हो सकता है। शुभ–मांगलिक कार्यों से संबंधित यात्रा संभव है।

धनु
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनःस्थिति में सुधार होगा। मनोबल–आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। परिवार में शुभ–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मकर
घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। आज अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। आज मन में असंतोष बना रहेगा।

कुंभ
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। घर–परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

मीन
अपने अति आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

उदयपुर
Rashtradoot

फोनः- 2418945 फैक्सः- 0294-2410146 वर्षः 32 संख्याः 353 प्रभात उदयपुर, रविवार 26 अक्टूबर, 2025 आर.जे. 7202 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

युवा नेताओं को जिलाध्यक्ष के रूप में पनपाने की योजना फेल हुई राजस्थान में

पुराने नेता, प्रदेशाध्यक्ष डोटासरा, सी.पी. जोशी व जूली संगठित हुए अपनी पकड़ बरकरार रखने के लिए

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर। राजस्थान कांग्रेस में जिलाध्यक्षों के चयन की प्रक्रिया, जो राहुल गांधी का विशेष रुप से प्रिय प्रोजैक्ट था, अब मज़ाक बन चुकी है। वरिष्ठ नेता अपने-अपने क्षेत्रों में अपने समर्थकों को जिलाध्यक्ष बनवाने की कोशिश में एकजुट हो गए हैं।

सभी पर्यवेक्षकों ने कल अपनी रिपोर्टें जमा कर दीं और अब अंतिम निर्णय पार्टी नेतृत्व को लेना है। लेकिन इसी बीच, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने नामों का एक पैनल सौंप दिया है, जो पूरी तरह अनावश्यक और उनके अधिकार क्षेत्र से बाहर है। रंधावा के नेतृत्व में वरिष्ठ नेता एकजुट होकर चयन प्रक्रिया को प्रभावित करने की कोशिश कर रहे हैं।

सी.पी. जोशी अपने क्षेत्र में अपने लोगों को जिलाध्यक्ष बनवाना चाहते हैं, और जब भी किसी के नाम का प्रस्ताव रखा जाता है, सभी तुरंत हां में हां मिला देते हैं।

- **उनकी ''राय'' पर प्रभारी रंधावा अपनी मोहर लगा रहे हैं।**
- **कांग्रेस के नेताओं ने अध्यक्ष खड़गे व राहुल गांधी को इस मुतल्लिक ज्ञापन भी दिये हैं, किन्तु उनकी शिकायतें अनसुनी सी रह गई हैं।**
- **डोटासरा के उम्मीदवारों पुष्पेन्द्र भारद्वाज और सुनील शर्मा के खिलाफ पार्टी कार्यकर्ताओं ने खड़गे और राहुल गांधी को पत्र लिखे हैं, क्योंकि पुष्पेन्द्र भारद्वाज के खिलाफ कई मामले हैं और सुनील शर्मा, जिन्हें लोकसभा चुनाव में टिकट दिया गया था, का भारी विरोध होने के कारण खुद सोनिया गांधी ने टिकट काट दिया था।**

विधाक दल के नेता जूली को भी बैठक में शामिल होने के लिए कहा गया, जबकि ऐसा पहले कभी नहीं हुआ।

कांग्रेस नेताओं ने पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी को पुष्पेन्द्र भारद्वाज और सुनील शर्मा के खिलाफ पत्र लिखे हैं, जिन्हें डोटासरा ने उम्मीदवार बनाया है। भारद्वाज पर मुकदमे चल रहे हैं और कार्यकर्ता उनका विरोध कर रहे हैं। वहीं, सुनील शर्मा की जयपुर विधानसभा उम्मीदवारी पहले ही सोनिया गांधी ने रद्द कर दी थी, क्योंकि शशि थरूर ने उनके खिलाफ ट्वीट किया था। शर्मा ने दोनों गांधी नेताओं को ''तानाशाह'' कहा था।

राजस्थान में जो कुछ हो रहा है, वह राहुल गांधी की उस मूल पहल की भावना के खिलाफ है, जिसका उद्देश्य जिलाध्यक्षों को सशक्त बनाना और योग्य व नई नेतृत्व क्षमता वाले लोगों को सामने लाना था, ताकि पार्टी को लाभ हो सके। लेकिन हो यह रहा है कि वही पुराने नेता अपने प्रभाव को बनाए रखने के लिए पहले से बदनाम और हार चुके चेहरों को फिर से आगे बढ़ा रहे हैं, जिससे नई नेतृत्व पंक्ति उभर नहीं पा रही।

और अगर एआईसीसी के प्रभारी महासचिव, इस मामले में रंधावा भी इसमें शामिल हैं, तो कार्यकर्ताओं के पास शिकायत करने या न्याय पाने का कोई रास्ता नहीं बचता।

राजस्थान में यह समस्या लंबे समय से चली आ रही है, जब से अशोक गहलोत ने अपनी सत्ता का इस्तेमाल करके महासचिवों को प्रभावित कर पार्टी पर मजबूत पकड़ बना ली थी। के.सी. वेणुगोपाल भी इस पूरी चाल में शामिल माने जा रहे हैं, क्योंकि वे जानते हैं कि रंधावा के गहलोत, जोशी, डोटासरा और अन्य कई नेताओं से मजबूत संबंध हैं।

राहुल गांधी को अब अपनी आंखें खोलनी होंगी और यह सुनिश्चित करना होगा कि इन राज्यों में चयन की प्रक्रिया निष्पक्ष और पारदर्शी हो।

मुख्यमंत्री ने अकलेरा व श्रीगंगानगर मंडी के विकास कार्य को मंजूरी दी

जयपुर, 25 अक्टूबर। कृषि क्षेत्र में सुविधाओं एवं सेवाओं का विस्तार कर किसान कल्याण के लक्ष्य को साकार करने कें लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश की अकलेरा एवं श्रीगंगानगर मंडी

- **दोनों मंडियों में विकास के लिए 2.28 करोड़ रूपये की स्वीकृति दी गई है।**

में विकास कार्य के लिए 2 करोड़ 28 लाख रुपये स्वीकृत किए हैं।

झालावाड़ जिले की कृषि उपज मंडी अकलेरा में ई-नाम हॉल के कार्यालय भवन सहित नवीन निर्माण कार्यो के लिए 1 करोड़ 78 लाख रुपये से अधिक की राशि स्वीकृत की गई है। वहीं, कृषि उपज मंडी श्रीगंगानगर के फल-सब्जी व वन उपज मंडी यार्ड में विद्युत कार्यों के लिए भी लगभग 50 लाख रुपये स्वीकृत किए हैं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा राजस्थान कृषि उपज मंडी अधिनियम 1961 के तहत टोंक जिले में कृषि उपज मंडी टोडारायसिंह के प्रथम बोर्ड के गठन का अनुमोदन भी किया गया है। जिससे इस मंडी का प्रशासनिक संचालन सुनिश्चित हो सकेगा।

सीताराम केसरी भी बिहार चुनाव में मुद्दा बने

राहुल गांधी ने बिहार के बड़े नेताओं की स्मृति में प्रार्थना सभा आयोजित की, जिसमें सीताराम केसरी का नाम भी शामिल था

- श्रीनंद झा -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर। चुनावी बिहार में पिछड़ा बनाम अगड़ा मुद्दा ज़ोर पकड़ रहा है। विपक्षी महागठबंधन कथित तौर पर भूमि सुधारों पर डी. बंद्योपाध्याय समिति की सिफारिशों को अपने घोषणा पत्र में शामिल करने पर विचार कर रहा है, जो 28 अक्टूबर को जारी होने की उम्मीद है। इसी बीच, ओबीसी बनिया समुदाय से ताल्लुक रखने वाले दिवंगत कांग्रेस अध्यक्ष सीताराम केसरी का नाम बिहार की चुनावी राजनीति में फिर से चर्चा में आ गया है।

कांग्रेस नेताओं, जिनमें राहुल गांधी भी शामिल थे, ने बिहार के इस कद्दावर कांग्रेसी नेता केसरी को एक स्मृति सभा में श्रद्धांजलि दी। इसके बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पलटवार करते हुए आरोप लगाया कि 1998 में केसरी को अपमानित करके कांग्रेस अध्यक्ष पद से हटा दिया गया था और सोनिया गांधी को अध्यक्ष बनाया गया था। मोदी ने बेगुसराय में एक रैली में कहा, ''बिहार की जनता कांग्रेस को आने वाले चुनावों में इसका जवाब देगी।''

दोनों प्रमुख राजनीतिक दल, एनडीए और महागठबंधन, ओबीसी और पिछड़े मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए रणनीति पर काम कर रहे हैं। इससे पहले, नरेन्द्र मोदी सरकार ने बिहार के

- **मोदी ने पलटवार करते हुए कहा, बैकवर्ड नेता सीताराम केसरी का तिरस्कार किया था कांग्रेस ने, सम्मान नहीं। उन्हें बेरहमी से अध्यक्ष पद से हटाकर सोनिया गांधी को अध्यक्ष बनाया था। साथ ही कांग्रेस गठबंधन बंदोपाध्याय समिति की सिफारिशों को घोषणा पत्र का हिस्सा बनाना चाहता है।**
- **बंधोपाध्याय समिति का गठन नीतीश सरकार ने किया था। पर, उनकी सिफारिशें इतनी ज्यादा प्रोग्रेसिव थीं कि उन्हें ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। रिपोर्ट में बटाईदारों के हितों की सुरक्षा तथा लैंड होल्डिंग पर सीमा बाँधने की सिफारिश की थी। फॉरवर्ड-बैकवर्ड के संघर्ष के कारण नीतीश सरकार इसे लागू नहीं कर पा रही थी, इसे महागठबंधन अब लागू करना चाह रहा है।**

पूर्व मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न से सम्मानित किया था, जबकि प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी ने कर्पूरी ठाकुर की पोती को उम्मीदवार बनाया है। महागठबंधन के अंदर, भूमि सुधारों पर विवादास्पद बंदोपाध्याय समिति की सिफारिशों को लागू करने के वादे को अपने घोषणा पत्र में शामिल करने की ज़ोरदार कोशिश चल रही है।

नीतीश कुमार द्वारा गठित बंदोपाध्याय समिति ने 2008 में अपनी सिफारिशें प्रस्तुत की थीं। तथापि, सिफारिशों पर तीखी और प्रतिकूल प्रतिक्रियाओं को देखते हुए, नीतीश कुमार ने रिपोर्ट को ठंडे बस्ते में डाल दिया था। समिति ने बटाईदारों के अधिकारों की रक्षा के लिए कानून बनाने और भूमि जोत की सीमा तय करने की भी सिफ़ारिश की थी। संयोग से, बंदोपाध्याय ने 1970 के दशक के अंत में ''ऑपरेशन बर्गा'' के तहत पश्चिम बंगाल में भूमि सुधारों को लागू करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। वामपंथी दल घोषणा पत्र में बंदोपाध्याय समिति की सिफारिशों को शामिल करने पर ज़ोर दे रहे हैं, लेकिन सूत्रों के अनुसार, कांग्रेस और राजद नेताओं को आशंका है कि यह रणनीति उल्टी पड़ सकती है।

एलआईसी ने वॉशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट को सिरे से खारिज किया

एलआईसी ने कहा, सारे निवेश पूरी तरह सोच-विचार कर और ईमानदारी से किए गए हैं

-जाल खंबाता -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने शनिवार को ''द वॉशिंगटन पोस्ट'' द्वारा प्रकाशित झूठी रिपोर्ट्स का खंडन किया और पुनः पुष्टि की कि सभी निवेशों को ईमानदारी और उचित परिश्रम के साथ किया गया है।

''द वॉशिंगटन पोस्ट'' के एक लेख में दावा किया गया था कि अधिकारियों ने मई में एक प्रस्ताव को कथित तौर पर तेजी से मंजूरी दी, जिसके तहत एलआईसी से लगभग 3.9 बिलियन डॉलर का निवेश अडानी समूह की एक कंपनी में किया गया।

इस लेख का खंडन करते हुए, एलआईसी ने कहा कि ''द वॉशिंगटन पोस्ट'' द्वारा लगाए गए आरोप, कि एलआईसी के निवेश निर्णय बाहरी कारकों द्वारा प्रभावित होते हैं, ''झूठे,

- **एलआईसी ने वॉशिंगटन पोस्ट के इस आरोप को झूठा, निराधार व तथ्यों से परे बताया कि एलआईसी ने किसी दबाव में निवेश किया है।**
- **एलआईसी ने आरोप लगाया कि वॉशिंगटन पोस्ट ने एलआईसी की छवि और भारत में फायनैंशियल सैक्टर की मजबूत नींव को क्षति पहुँचाने की कोशिश की है।**

निराधार और सत्य से दूर'' हैं

कंपनी ने एक बयान में कहा, ''लेख में आरोपित दस्तावेज़ या योजना कभी भी एलआईसी द्वारा तैयार नहीं की गई है, जो एलआईसी को अडानी समूह की कंपनियों में धन का निवेश करने का रोडमैप बनाती हो।''

लेख में दावा किया गया था कि अधिकारियों ने पिछले साल मई में एक प्रस्ताव को कथित तौर पर तेजी से मंजूरी दी, जिसके तहत एलआईसी से लगभग 3.9 बिलियन डॉलर का निवेश अडानी समूह की एक कंपनी में किया गया।

एलआईसी ने कहा कि निवेश निर्णय स्वतंत्र रूप से बोर्ड द्वारा स्वीकृत नीतियों के अनुसार किए जाते हैं, जिनमें गहन एवं आवश्यक परिश्रम (ड्यू डिलिजेंस) की प्रक्रिया अपनाई जाती है।

कंपनी ने बयान में आगे कहा, ''इस तरह के निर्णयों में डिपार्टमैंट ऑफ फायनैंस सर्विसेज़ या अन्य किसी संस्था

(शेष पृष्ठ 4 पर)

दस से पन्द्रह राज्यों में अगले सप्ताह से एस.आई.आर. शुरु होगी

- जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर। भारत का निर्वाचन आयोग अगले हफ्ते से देश भर में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एस.आई.आर.) का पहला चरण शुरू कर सकता है। अधिकारियों के अनुसार, यह अभियान ''10 से 15''

- **इनमें असम, तमिलनाडु, केरल व पश्चिम बंगाल प्रमुख हैं।**

राज्यों में एक साथ शुरु होगा, जिसमें वो राज्य भी शामिल हैं, जहाँ अगले साल चुनाव होने हैं।

असम, तमिलनाडु, पुडुचेरी, केरल और पश्चिम बंगाल में 2026 में चुनाव होंगे और ये उन राज्यों में शामिल हैं, जहाँ मतदाता सूची संशोधन का काम

(शेष पृष्ठ 4 पर)

'मई 2025 में एलआईसी ने अडानी समूह में 33,000 करोड़ रूपए लगाए थे'

वॉशिंगटन पोस्ट ने यह खुलासा करते हुए आरोप लगाया कि यह पैसा 30 करोड़ पॉलिसी धारकों की बचत का था

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर। हाल ही में मीडिया में कुछ चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं, जिनमें बताया गया है कि मोदी-अडानी की सांठगांठ ने भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) और इसके 30 करोड़ पॉलिसीधारकों की बचत का कैसे सोचे -समझे तरीके से दुरुपयोग किया। ''वॉशिंगटन पोस्ट'' ने इस घोटाले का खुलासा किया है, जिसमें बताया गया है कि मोदी सरकार ने किस तरह अडानी एन्टरप्राइज़ेज़ की मदद की।

आंतरिक दस्तावेजों से पता चलता है कि भारतीय अधिकारियों ने मई 2025 में अडानी ग्रुप की विभिन्न कंपनियों में एलआईसी फंड्स के 33,000 करोड़ रुपये के निवेश के लिए एक प्रस्ताव तैयार किया और इसे

- **वॉशिंगटन पोस्ट में छपी खबर में बताया गया है कि उसके पास जो आंतरिक दस्तावेज हैं उनसे पता चला है कि सरकार के अधिकारियों ने एलआईसी द्वारा अडानी की कंपनी के 33,000 करोड़ रूपए का निवेश का प्रस्ताव तैयार किया था।**
- **अखबार कहता है कि इस निवेश का लक्ष्य है, अन्य निवेशकों को अडानी ग्रुप में निवेश के लिए प्रेरित करना।**

पारित किया। इसके उद्देश्य थे- ''अडानी ग्रुप में विश्वास का संकेत देना'' और ''अन्य निवेशकों को भागीदारी के लिए प्रोत्साहित करना।''

इस पूरे मोदी-अडानी मेगा घोटाले की जांच केवल एक संयुक्त संसदीय समिति द्वारा की जा सकती है, जिसकी माँग कांग्रेस पार्टी लगभग तीन वर्षों से कर रही है-जब से उसने अपनी 100 सवालों की श्रृंखला ''हम अडानी के हैं कौन'' (एचएएचके) प्रकाशित की थी।

पहला कदम यह होना चाहिए कि कम से कम संसद की पब्लिक अकाउन्ट्स कमेटी (पीएसी) पूरी तरह से यह जांचे कि एलआईसी को वास्तव में अडानी ग्रुप में निवेश करने के लिए कैसे मजबूर किया गया। यह पीएसी के अधिकार क्षेत्र में पूरी तरह से आता है।''

कांग्रेस के महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने एक बयान में कहा कि सवाल यह उठता है कि किस दबाव में वित्त मंत्रालय और नीति आयोग के अधिकारियों ने यह निर्णय लिया कि उनका काम एक निजी कंपनी को वित्तीय कठिनाइयों से उबारना था, जो गंभीर आपराधिक आरोपों के कारण संकट में थी। उन्होंने इसे ''मोबाइल फोन बैंकिंग'' का मामला बताया।

जयराम रमेश ने कहा, जब सार्वजनिक पैसे को भ्रष्ट कंपनियों को दिया गया, तब यह स्पष्ट हुआ कि एलआईसी ने 21 सितंबर 2024 को केवल चार घंटे की ट्रेडिंग में 7850 करोड़ रुपये का नुकसान उठाया, इसके

(शेष पृष्ठ 4 पर)

नियुक्ति के बाद चयन निरस्त करने पर रोक

जयपुर, 25 अक्टूबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने पशु परिचर भर्ती-2023 में नियुक्ति देने के बाद अभ्यर्थी का चयन निरस्त करने के आदेश पर रोक लगा दी है। इसके साथ ही, अदालत ने मामले में प्रमुख पशुपालन सचिव और निदेशक सहित कर्मचारी चयन बोर्ड को नोटिस

- **हाई कोर्ट ने पशुपालन विभाग के प्रमुख सचिव, निदेशक तथा कर्मचारी चयन बोर्ड को नोटिस जारी किया।**

जारी कर जवाब तलब किया है। जस्टिस अशोक कुमार जैन की एकलपीठ ने ये आदेश अशोक कुमार धाकड़ की याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता रामप्रताप सैनी ने अदालत को बताया कि कर्मचारी चयन बोर्ड ने अक्टूबर, 2023 में पशु

(शेष पृष्ठ 4 पर)

भारत में विश्व की तीसरी सबसे बड़ी रेयर अर्थ की डिपॉज़िट्स हैं, पर आज भी ज़मीन का माल ज़मीन में ही क्यों रह गया है

कागज़ी कार्यवाही इतनी गलाघोंट है कि खनिज की डिस्कवरी और खान को प्रोडक्शन में आने में पंद्रह साल लग जाते हैं

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर। भारत के पास खनिज हैं, लेकिन गति नहीं। दुनिया के तीसरे सबसे बड़े दुर्लभ पृथ्वी तत्वों के भंडारों का मालिक होने के बावजूद, खोज को उत्पादन में बदलने में 15 साल तक का समय लग जाता है।

जब भारत कागजी कार्रवाई में लगा होता है तब चीन पृथ्वी की खुदाई करता है।

अदिति गुर्लीकर के इस गहन अध्ययन में, भूवैज्ञानिक और अन्वेषक चन्नमल्लिकार्जुन बी. पटिल यह बताते हैं कि कैसे नौकरशाही, ड्रिलिंग की सीमा कम करके और पुराने ढांचे के लिए खनिज संपदा को जमीन के बाहर आने से रोकते है।

एआई-संचालित अन्वेषण से लेकर खनन नीति में चुपचाप हो रहे

- **पर, 2023 में कुछ आशा जगी, क्योंकि 1957 के माइंस एण्ड मिनरल्स एक्ट में सरकार को परिवर्तन करना पड़ा और प्राइवेट सैक्टर को भी रेयर अर्थ के खनिजों को खोद कर निकालने की सुविधा मुहैया कराई है।**
- **यह परिवर्तन इसलिए हुआ, क्योंकि सरकार को यह अहसास हो गया कि केवल सरकारी कॉर्पोरेशन को ही माइनिंग का अधिकार प्राप्त रहेगा तो मिनरल का एक्स्प्लॉयटेशन कभी पूरा नहीं हो पायेगा।**
- **चीन में जिस दिन मिनरल मिलता है, दूसरे दिन ही खुदाई शुरु हो जाती है। जब तक भारतीय खान मालिक पुरानी खान नीति के तहत परमिशन को ढूँढ रहा होता है, चीन का माल बाज़ार में आ चुका होता है।**

परिवर्तन तक, यह कहानी उन टैक्टॉनिक बदलावों को उजागर करती है, जो भौगोलिक संपत्ति को राष्ट्रीय शक्ति में बदलने के लिए आवश्यक हैं।

भारत दुर्लभ पृथ्वी तत्वों और महत्वपूर्ण खनिजों के सबसे समृद्ध भंडारों में से एक है, फिर भी दशकों की नीति संबंधी निष्क्रियता, लालफीताशाही और सावधानी की गलत सोचने इस भौगोलिक खजाने को जमीन में ही बंद कर दिया है, जबकि चीन लगातार आगे बढ़ता जा रहा है।

भारत के प्राचीन उपमहाद्वीपीय ढाल के नीचे एक भौगोलिक धरोहर है, जो देश को महत्वपूर्ण खनिज सुपरपावर के रूप में स्थापित कर सकती हैं। दुर्लभ पृथ्वी तत्व, लिथियम, निकल, टाइटेनियम (वह कच्चा माल जो पवन टरबाइन, लड़ाकू विमानों, और स्मार्टफोन बैटरियों से लेकर सभी चीजों को शक्ति प्रदान करता है) इस भूमि पर प्रचुर मात्रा में हैं, यह कभी गोंडवाना भूमि का हिस्सा थी, जो पैंजिया सुपरमहाद्वीप का दक्षिणी भाग था।

आंकड़े एक दिलचस्प कहानी बयान करते हैं। भारत के पास लगभग 6.9 मिलियन मीट्रिक टन दुर्लभ पृथ्वी के भंडार हैं, जो दुनिया में तीसरे नंबर पर है। देश में लगभग 30 महत्वपूर्ण खनिज हैं, जिनमें से बड़े भंडार कर्नाटका के मंड्या जिले के लिथियम क्षेत्रों से लेकर केरल, तमिलनाडु और ओडिशा के मोनाजाइट-समृद्ध तटीय रेतों तक फैले हुए हैं।

फिर भी, यह भौगोलिक संपत्ति अधिकांश रूप से उपयोग नहीं की गई है, जो तकनीकी कमियों और पुराने ढांचों के कारण बंद पड़ी है। हालांकि, 2023 के बाद के नीति परिवर्तनों ने एक नया युग शुरू किया है।

''चन्नमल्लिकार्जुन बी. पटिल, जो संस्थापक हैं, कहते हैं। भारत ने नक्शा बनाने और प्रारंभिक अन्वेषण के मामले में अद्भुत काम किया है,'' देश का लगभग 95-98 प्रतिशत क्षेत्र इस सम्बंध में कवर किया गया है, इसके लिए भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण, मिनरल एक्सप्लोरेशन और कंसल्टेंसी लिमिटेड, और परमाणु खनिज निदेशालय जैसी संस्थाओं का धन्यवाद।''

यह आधारभूत कार्य भारत को खनिज विकास के अगले चरण में तेजी से प्रवेश करने की स्थिति में ला सकता है।

उन्होंने कहा, ''यह एक बहुत बुनियादी संकेतक है, और यह पर्याप्त डेटा प्रदान नहीं करता। दुनिया यह जानना चाहती है कि भारत के पास इन महत्वपूर्ण खनिजों में से वास्तव में

(शेष पृष्ठ 4 पर)

राजस्थान में 67 आरएएस अधिकारियों के तबादले

जयपुर, 25 अक्टूबर। राज्य सरकार ने शनिवार देर रात एक आदेश जारी कर 67 आरएएस अफसरों के तबादले कर दिए। इनमें से 24 को

- **इनमें से 24 को एसडीएम लगाया गया है।**

एसडीएम लगाया गया है। तबादला सूची में उन आरएएस अफसरों का नाम भी है, जो दो दिन पहले ही पदोन्नत हुए थे।

आदेश के अनुसार गजेन्द्र सिंह राठौड़ को सचिव माध्यमिक शिक्षा बोर्ड अजमेर, भागचंद बधाल को जेडीए में अतिरिक्त आयुक्त, दिनेश कुमार शर्मा को राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड में सचिव के पद पर लगाया गया है। गुंजन सोनी को संस्कृत विश्वविद्यालय में रजिस्ट्रार, संजय कुमार माथुर को एडीएम तृतीय जयपुर, नरेन्द्र कुमार वर्मा को अतिरिक्त कलक्टर जयपुर पूर्व के पद पर लगाया गया है।

सार-समाचार

महंत हीरा गिरी को नम आंखों से दी विदाई

बांसवाडा । घोटीया आंबा धाम के महंत हीरा गिरी महाराज के वैकुंठ धाम वास के उपरांत श्रद्धालुओं, साधु-संतों एवं सर्व सनातन हिंदू समाज ने श्री राम जय राम जय जय राम के अखंड कीर्तन के साथ नम आंखों से उन्हें अंतिम विदाई दी। डॉ. स्वामी विवेकानंद महाराज ने बताया कि महंत हीरा गिरी महाराज ने 105 वर्ष की आयु में गत शुक्रवार को घोटीया आंबा धाम में राम नाम का अंतिम उच्चारण करते हुए अपना देह त्याग किया। इस दुःखद समाचार से पूरे वागड क्षेत्र सहित मध्य प्रदेश और गुजरात के भक्तों में शोक व्याप्त हो गया। रात से ही दूर-दराज के गांवों और शहरों से बडी संख्या में भक्त, साधु-संत और श्रद्धालु अंतिम दर्शन के लिये घोटीया आंबा धाम पहुंचते रहे। प्रातः साधु-संतों द्वारा विधि-विधान से महापूजा एवं महाआरती की गई तत्पश्चात भक्तों ने पुष्प, हार एवं वस्त्र अर्पित कर महंत के अंतिम दर्शन और आशीर्वाद प्राप्त किए। पारंपरिक वाद्ययंत्रों थारी, कुंडी, हननाई और ढोल की थाप की गूंज के साथ राम नाम की धुन में पुष्पों से सजी पालकी में महंत को विराजित किया गया। भक्तों और संतों ने बारी-बारी से पालकी को उठाकर अंतिम यात्रा का शुभारंभ किया और समाधि स्थल तक पहुंचाया। कांतिलाल व्यास के आचार्यत्व में महंत नरसिंग गिरी, राम गिरी, मदन गिरीएवं डॉ. स्वामी विवेकानंद महाराज और घोटीया आंबा विकास समिति के अध्यक्ष धनसिंह रावत ने विधि-विधान से भूमि पूजन कर समाधि क्रिया को पूर्ण किया। साधु-संतों एवं भक्तों की उपस्थिति में महंत हीरा गिरी महाराज की समाधि स्थापित की गई। कार्यक्रम में राम नाम की गूंज, भक्ति और भाव-विभोर वातावरण के साथ श्रद्धालुओं ने पूज्य गुरु को भावपूर्ण विदाई दी। इस अवसर पर भारत माता मंदिर के रामस्वरूप महाराज, रामद्वारा बांसवाड़ा और सागवाड़ा के राम प्रकाश, उदयराम, पूर्व राज्य मंत्री धनसिंह रावत, भुवन मुकुंद पंड्या, अशोक सुथार, विहिप के क्षेत्रीय प्रमुख कैलाश जायसवाल, हकरु मईडा, पूर्व संसदीय सचिव भीमा भाई, कुशलगढ़ प्रधान कानहेंग रावत, कमलेश तंबोलिया, विनोद पानेरी, भाजपा जिला उपाध्यक्ष ललित पाटीदार, बांसवाड़ा विधायक अर्जुन बामनिया सहित विभिन्न हिंदू संगठनों के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता, मेट, कोटवाल भक्त, साधु-संतों के साथ सर्व सनातन हिंदू समाज के लोगों ने मौन रखकर भाव पूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित कर महंतजी के गोलोक वास में आश्रय प्रदान करने की भगवान से प्रार्थना की। आभार घोटीया आंबा के गादीपति महंत रामगिरी महाराज ने माना।

उदयपुर संभाग में फिर बारिश के आसार

उदयपुर, । मानसून की विदाई के बाद भी लगातार बदल रहे मौसम में एक बार फिर बदलाव देखने को मिल सकता है। उदयपुर संभाग में आगामी दो तीन दिनों में बारिश होने के आसार है। मौसम विभाग का पूर्वानुमान है की कि अरब सागर में अवदाब और बंगाल की खाड़ी में एक कम दबाव का क्षेत्र बना हुआ है। एक नया पश्चिमी विक्षोभ उत्तर पश्चिम भारत 26.27 अक्टूबर को सक्रिय होने की संभावना है। पश्चिम विक्षोभ तंत्र के प्रभाव से दक्षिण पूर्वी राजस्थान के उदयपुर संभाग के कुछ हिस्सों में 26 से 28 अक्टूबर के बीच मेघगर्जन के साथ बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार दक्षिण पूर्वी राजस्थान में पश्चिम विक्षोभ का सर्वाधिक असर 27-28 अक्टूबर को रहने और कहीं कहीं आकाशीय बिजली और मेघगर्जन के साथ हल्की से मध्यम वर्षा के आसार है।

साहू का पावरलिफ्टिंग टीम में चयन

उदयपुर, । रोमानिया के क्लुज नापोका शहर के होटल ग्रांड इटालिया के सभागार में 10 से 16 नवंबर तक आयोजित होने वाली विश्व सीनियर पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप में उदयपुर के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी गौरव साहू का भारतीय सीनियर पावरलिफ्टिंग टीम में चयन किया गया है । यह जानकारी देते हुए राजस्थान राज्य पावरलिफ्टिंग संघ के आयोजन सचिव विनोद साहू ने दी। गौरव राजस्थान के पहले खिलाडी बने जो विश्व सीनियर इकयुप्ड पावरलिफ्टंग चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। गौरव 59 किठाा भार वर्ग में भारत की ओर से खेल कर विदेशी खिलाडियों को टक्कर देंगे। उनका मुकाबला 10 नवम्बर को दोपहर 4 बजे होगाा। विश्व सीनियर इकयुप्ड पुरुष एवं महिला पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप में लगभग 35 देशो के खिलाड़ी भाग लेंगे।

कमेटी में सदस्य मनोनीत

उदयपुर, । राजस्थान प्रोफेशनल कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष डॉ दीपक कुमार शर्मा द्वारा प्रोफेशनल कांग्रेस एडवाइजरी कमेटी की घोषणा की गई है इस कमेटी में राजस्थान से कई सम्मानित शिक्षकों को स्थान मिला है। सभी सम्मानित शिक्षकों में कुछ शिक्षक विश्वविद्यालय में कुलगुरु के पद पर भी रहे हैं और कुछ शिक्षक पूर्व की राजस्थान सरकार में आयोग अध्यक्ष भी रहे हैं। उनके अनुभवों के आधार पर संगठन को मजबूती मिलेगी। इसी क्रम में इस एडवाइजरी कमेटी में उदयपुर से शिक्षक नेता बाबूलाल जैन को भी सदस्य बनाया गया है। जो कि पूर्व में प्रदेश कांग्रेस शिक्षक प्रकोष्ठ अध्यक्ष भी रहे है।

संपर्क अभियान का शुभारंभ

उदयपुर । राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ताओं ने शनिवार को बोहरा गणेश जी मंदिर में प्रभु को साहित्य व पत्रक भेंट कर वृहद गृह संपर्क अभियान का शुभारंभ किया। विभाग संघचालक हेमेंद्र श्रीमाली ने बताया कि संघ शताब्दी वर्ष के क्रम में चलने वाले इस अभियान में संघ के कार्यकर्ता घर.घर जाकर संपर्क करने जायेंगे। परिवार के सदस्यों के साथ संक्षिप्त चर्चा में पंच परिवर्तन और संघ यात्रा के विषय रखेंगे। जिसमें सामाजिक समरसता, स्व का बोध, पर्यावरण संरक्षण, कुटुंब प्रबोधन और नागरिक कर्तव्य के बारे में आग्रह किया जायेगा। प्रत्येक परिवार को एक कर.पत्रक भारत माता का चित्र और एक स्टिकर निःशुल्क दिया जाएगा। यह 21 दिवसीय अभियान 26 अक्टूबर से 16 नवम्बर तक चलेगा।

कोठारी को मिली तीन बड़ी उपलब्धियां

उदयपुर । सेवा निवृत्त आरएएस अधिकारी अधिकारी एवं शहर के वरिष्ठ कलाप्रेमी-फोटोग्राफर दिनेश कोठारी को फोटोग्राफी के श्रेत्र में एक साथ तीन उपलब्धियां हासिल हुई हैं। प्रतिष्ठित जेआरएनवाय वर्ल्ड फोटोग्राफी अवार्ड 2025 लन्दन में एक फोटोग्राफ का चयन हुआ है। यह फोटो हाइवे किनारे मिनरल वाटर की बोतलें बेचती एक नन्ही आदिवासी बालिका का है। उन्हें यह अवार्ड लेने के लिए लंदन में आयोजित होने वाले समारोह में आमंत्रित किया गया। साथ ही स्टर्लिंग फोटो फेस्टिवल, स्कॉटलैंड की ओर से बियोंड 2025 इ्यर बुक में में इनका एक फोटो शामिल हुआ। आदिवासी क्षेत्र की बलखाती सड़क और उस पर चलती आदिवासी महिला का यह फोटो काफी आकर्षक है। दिवाली के अवसर पर मणिकर्णिका गेलेरी की ओर स आयोजित अंतर्राष्ट्रीय फोटो प्रतियोगिता में कोठारी के फोटो मां-बेटी को गोल्ड अवॉर्ड प्राप्त हुआ है। कोठारी ने बताया कि कच्चे छप्पर के बाहर बैठकर अपनी बेटी के बालों में कंघी करती महिला का यह फोटो आदिवासी अंचल की सांस्कृतिक झलक दर्शाता है।

अन्नकूट में 56 भोग लगाया

बांसवाड़ा । अगरपुरा स्थित दशा माता धाम का 21वां अन्नकूट महोउत्सव लाभ पंचमी के उपलक्ष्य में आज मनाया जायेगा। धाम प्रवक्ता रौनक पुरोहित ने बताया कि प्रातः धाम पर मां की प्रतिमा व अन्य स्थापित देवी देवताओं का पंच गव्य स्नान व् शोडशोपच्चार पूजन कर दुर्गा शप्तशाति के देविका कवच, दुर्गा शतनाम स्तोत्र, कुंजिका स्तोत्र, रुद्राष्टक, शिव पंचाक्षर स्तोत्र आदि पाठ किये जायेंगे। धाम पर सायं 6 से 7 बजे नागर महिला मण्डल की ओर से भजन किये जायेंगे। धाम गादीपति राजूबेन प्रजापत ने बताया कि सायं 7 बजे महाआरती के साथ 56 तरह के पकवानों का भोग व महाप्रसादी का आयोजन होगा। धाम सदस्यों नानुलाल पंचाल, महेश भावसार, कृष्णा भावसार, विनीत अचार्य, महेश पंचाल, अजय पंचाल, प्रवीण सिंह, मोनु सिंह, कमलेश सोनी, दिपेश सोनी, राकेश सोनी, नारायण प्रजापत, अशोक पालीवाल, विष्णु कंसारा, मुन्नाभाई जैन, सुरेश नागदरा की बैठक में तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया।

ऑपरेशन सुदर्शन अभियान

बांसवाड़ा सदर थाना पुलिस ने ऑपरेशन सुदर्शन चक्र के तहत 4 स्थाई वारंटियों को गिरफ्तार किया वहीं चार स्थाई वारंटियों का निस्तारण किया। पुलिस महानिरीक्षक के निर्देशानुसार रेंज स्तरीय वांछित अपराधियों की धरपकड़ के लिये विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

शाह के कुशल नेतृत्व में तेजी से आगे बढ़ रहा हिंदूस्तान : गुप्ता

- केंद्रीय गृहमंत्री के जन्मदिन पर भाजपा नेता एवं पूर्व सभापति ने की भेंट
- बूके देकर दी जन्मदिन की बधाई, स्वच्छता में किए गए कार्यो से कराया अवगत

डूंगरपुर, 25 अक्टूबर। भाजपा नेता, स्वच्छ भारत मिशन के प्रदेश समन्वयक एवं पूर्व सभापति के.के. गुप्ता ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के जन्मदिन पर भेंट कर बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की। इस दौरान गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल भी मौजूद रहें।

गुप्ता ने केंद्रीय गृहमंत्री शाह को बूके भेंटकर जन्मदिन का बधाई संदेश प्रेषित किया और उनके गृहक्षेत्र में स्वच्छता को लेकर किए गए कार्यो से अवगत कराया। गुप्ता ने बताया कि भारत सरकार के स्वच्छ भारत मिशन को धरातल पर प्रभावी ढंग से लागू करने हरसंभव प्रयास किए जा रहे है परंतु निचले स्तर पर इसे जिस तरह से गंभीरता से लेना चाहिए अधिकारी नहीं ले रहे हैं। गुप्ता ने बताया कि अगर हमारी इच्छा शक्ति मजबूत है तो हम स्वच्छता को धरातल पर उतार सकते हैं माननीय गृहमंत्री के गृह क्षेत्र में रूपाल मोडासर एवं मानकोल देश में नंबर वन नंबर तीन और नंबर पांच आ सकते हैं तो बाकी शहर और गांव भी स्वच्छ बनाए जा सकते हैं तथा बताया कि स्वच्छता सब की प्रिय है माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र भाई मोदी एवं माननीय गृहमंत्री श्री अमित शाह जी द्वारा मेरे द्वारा किए गए स्वच्छता पर कार्यों की प्रशंसा करना ही अपने आप में बहुत बड़ी उपलब्धि है उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री शाह के कुशल नेतृत्व में भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है और हर क्षेत्र में मान, सम्मान और गौरव पा रहा है। गुप्ता ने कहा कि पीएम मोदी और गृहमंत्री शाह ने भारतभूमि का यश विश्व में बढ़ाया है। आज सर्वसमर्थ भारत की कल्पना धरातल पर उतरने लगी है। आत्म निर्भरता की दिशा में भारत का डंका बजने लगा है। देश की सीमाएं सुरक्षित है, आतंकवाद पर प्रभावी अंकुश पाया जा सका है। मोदी सरकार में नीतिगत निणर्यों और कड़े फैसलों से प्रतिद्वंदी तथा दुश्मन देशों को करारा जवाब मिलने लगा है। देश की आंतरीक सुरक्षा के मुद्दे पर भारत नई ताकत बनकर उभरा है। गुप्ता ने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री ने बताया है कि अगर देश को विकसित भारत समृद्ध भारत एवं विश्व गुरु बनाना है तो सबसे पहले स्वच्छता को धरातल पर उतरना होगा तथा गुप्ता ने कहा कि स्वच्छता मिशन को आयुष्मान भारत योजना से जोड़ा जाएं तो आशातीत परिणाम सामने आएंगे। स्वच्छता को लेकर हरसंभव प्रयास किए जा रहे है। यदि भारत सरकार स्वच्छता के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए सख्त कदम उठाएं तो बड़ा बदलाव लाया जा सकता है।

शादी के छह माह बाद विवाहिता की मौत

- मृतका के भाई प्रहलाद ने बताया कि विवाहिता मनीषा की शादी 30 अप्रैल 2025 को टोंक निवासी कुलदीप नायक से हुई थी, जो वर्तमान में पुलिस अधीक्षक कार्यालय में एलडीसी पद पर कार्यरत है, उसने बताया कि कुलदीप पद की धौंस दिखाकर दहेज की मांग करता था

टोंक। पुरानी टोंक थाना के छावनी क्षेत्र में एक विवाहिता की शादी के 6 माह बाद शुक्रवार देर रात को मौत हो गई। घटना के बाद विवाहिता के परिजनों ने उसके पति कुलदीप नायक जो वर्तमान में जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय में एलडीसी के पद पर कार्यरत है, पर हत्या का आरोप लगाया हैं। इस दौरान महिला के भाई ने आरोप लगाया है कि जीजा पुलिस में होने की धौंस दिखाकर बहन को बुरी तरह से पीटा गया, जिसका निशान उसके शरीर पर पर बताये गये हैं। मृतका के भाई प्रहलाद ने बताया कि विवाहिता मनीषा की शादी 30 अप्रैल 2025 को टोंक निवासी कुलदीप नायक से हुई थी, जो वर्तमान में पुलिस अधीक्षक कार्यालय में एलडीसी पद पर कार्यरत है, उसने बताया कि कुलदीप पद की धौंस दिखाकर दहेज की मांग करता था, जब दहेज नहीं दिया तो वह उसके साथ मारपीट करने लगा। दीपावली से पहले भी उसने दहेज के लिए मारपीट की और उसे पीहर भेज दिया था, जिस पर बहन को समझाकर दुबारा सुसराल भेज दिया, इसके बाद भी जीजा और उसके परिवार के लोगों का व्यवहार नहीं बदला। वहीं शुक्रवार देर रात 12.30 बजे कॉल आया कि मनीषा बेहोश हो गई है। इसके बाद जब मैंने दोबारा कॉल किया तो उन्होंने रिसीव नहीं किया, सुबह 4 बजे जब पहुंचे तो बहन का शव नीचे कमरे में पड़ा था। प्रहलाद ने शव को देखा तो मनीषा के पेट,जांघ और शरीर पर चोट के निशान थे, शायद लात-घूंसों से उसकी पिटाई कर इसके बाद उसे मार दिया गया।

बहन पूजा ने भी आरोपी कुलदीप पर आरोप लगाते हुए कहा कि कुलदीप मनीषा पर शक करता था, शादी के बाद से ही उसकी बहन काफी दुखी थी, यहां तक कि कुलदीप ने मनीषा के भाइयों के नंबर भी ब्लॉक कर दिए थे, ताकि वह किसी से बात नहीं कर सके। वही वृताधिकारी टोंक राजेश विद्यार्थी ने बताया कि पीहर पक्ष के लोगों ने दामाद कुलदीप समेत सुसराल पक्ष के लोगों पर दहेज हत्या का आरोप लगाया है। घटना की गम्भरता को देखते हुए एफएसएल और एमओयू टीम मौके पर पहुंचकर जांच कार्य में जुट गई है।

नई उड़ान का आयोजन 28 को

उदयपुर । सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग, रा जस्थान सरकार के अंतर्गत आईस्टार्ट राजस्थान के तत्वावधान में राजस्थान नॉलेज कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा संयुक्त रूप से आईस्टार्ट आइडियाथॉन 2025 का आयोजन 28 अक्टूबर को किया जाएगा।

उपनिदेशक जीवन राम मीना ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में नवाचार और उद्यमिता की भावना को प्रोत्साहित करना है। विद्यालय (कक्षा 6 से 12) एवं महाविद्यालय स्तर के विद्यार्थी 1 से 4 सदस्यों की टीम बनाकर तकनीकी, शिक्षा, स्वास्थ्य, फिनटेक, पर्यावरण, एवं अन्य क्षेत्रों की समस्याओं के समाधान हेतु अपने नवाचारी विचार प्रस्तुत करेंगे। इस प्रतियोगिता के लिए उदयपुर, चित्तौड़गढ़, बांसवाड़ा, डूंगरपुर, राजसमंद एवं प्रतापगढ़ जिलों के विद्यार्थियों इस संभागीय कार्यक्रम में आमंत्रित किया गया है। प्रत्येक जिले के विद्यालयों एवं कॉलेजों से चयनित टीमें संभाग स्तरीय फाइनल में अपने आइडिया को प्रस्तुत करेंगी।

सुरक्षा जवानो की भर्ती के लिए शिविर कल से

उदयपुर । भारतीय सुरक्षा दक्षता परिषद नई दिल्ली के संयुक्त तत्वाधान में सिक्योरिटी ट्रेनिंग सेंटर उदयपुर द्वारा शिक्षित बेरोजगार युवाओं को रोजगार प्रदान करने के लिए सुरक्षा जवान,सुरक्षा सुपरवाइजर एवं सुरक्षा अधिकारी के लिए भर्ती कैंप 27 अक्टूबर से समस्त सलूम्बर जिले की पंचायत समितियों मे होंगे।

27 अक्टूबर को जयसमंद पंचायत समिति मे, 28 अक्टूबर सराड़ा पंचायत समिति मे, 29 अक्टूबर सेमारी पंचायत समिति मे, 30 अक्टूबर झल्लार पंचायत समिति मे, 31अक्टूबर लसाडिया पंचायत समिति मे,1 नवम्बर सलूम्बर पंचायत समिति मे आयोजित होंगे। किसी भी पंचायत समिति के अभ्यर्थी इन पंचायत समितियों मे भाग ले सकते हैं भर्ती केम्प का समय प्रातः 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक रहेगा। कमांडेंट कार्यालय राकेश चौधरी के अनुसार सुरक्षा जवान के लिए 10वीं कक्षा उत्तीर्ण बेरोजगार युवा की उम्र 19 से 40 वर्ष के मध्य होनी चाहिए। अभ्यर्थी की ऊँचाई 168 से 170 सेमी एवं वजन 55 से 90 किलोग्राम होना आवश्यक है। अभ्यर्थी अपनी 10 वीं व 12 वीं सहित समस्त शैक्षिक एवं प्रशैक्षिक योग्यता की अंकसूची,आधार कार्ड,पेन कार्ड की फोटोकॉपी एवं दो पासपोर्ट साईज फोटो के साथ भर्ती कैम्प में उपस्थित होकर आवेदन कर सकते है। चयनित युवाओं को एक माह का प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। इसके पश्चात प्रशिक्षण प्रमाण पत्र के साथ भारत सरकार एवं राजस्थान के औद्योगिक क्षेत्र में जैसे जोधपुर एम्स, जोधपुर आईटीआई,बाड़मेर माइंस,जेके सीमेंट ािंबाहेड़ा,ाचित्तौड़गढ़ किला,कुंभलगढ़ किला, जेसीबी जयपुर,ताज होटल,ताज महल, सिंघानिया यूनिवर्सिटी उदयपुर,मारुति गुजरात, हिंदुस्तान जिंक,मेट्रोए एयरपोर्ट,जेके लक्ष्मी सीमेंट जैतारण,अस्पताल,धार्मिक स्थलए ऐतिहासिक धरोहरों के साथ निजी क्षेत्र में नियुक्ति दी जाएगी। सुरक्षा जवान को 14 हजार से 22 हजार व सुरक्षा सुपरवाईजर को 18 हजार से 28 हजार मासिक वेतन के साथ 65 वर्ष तक स्थाई नौकरी प्रदान की जाएगी। इसके साथ ही पीएफए पेंशनए जीवन बीमाए मेडिकलए सालाना वेतन में वृद्धिए प्रमोशनएआवास एवं मेस आदि सुविधाएं भी दी जाएगी।

मानगढ़ कप का आगाज आज

बांसवाड़ा । जिला क्रिकेट संघ की ओर से आयोजित होने वाली मानगढ़ कप सीजन 4 का आगाज आज रविवार को होगा। जिला क्रिकेट संघ के सदस्य एवं मानगढ़ कप के अध्यक्ष नटवर तेली ने बताया कि 26 अक्टूबर को प्रातः 9 बजे मानगढ़ कप का शुभारंभ होगा।

गबन करने वाला गिरफ्तार

हलैना/भरतपुर, (निसं)। हलैना के गांव बेरी स्थित सेठ स्व. हरिचरण लाल अग्रवाल (इंजन मार्का) की हरि फूड प्रोडेक्ट्स प्रा. लिमिटेड से तुलाई में गड़बड़ी करने वाला धौलपुर के शिवाजी नगर पुराना शहर निवासी अनूप सिंघल उर्फ अन्नू पुत्र सतीश चन्द सिंघल वैश्य को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी इस तेल मिल में तुलाई इंचार्ज के पद पर लगा हुआ था, जिस आरोपी ने तुलाई के समय इलेक्ट्रोनिक काँटे में चिप लगा कर एक करोड़ से अधिक कीमत की करीब 300 टन सरसों के गबन किया। भरतपुर में थाना हलेना क्षेत्र के गांव बेरी में सरसों तेल एवं खल का उत्पादन करने बाली विश्व विख्यात हरि ऑयल समूह इंजन ब्रांड मिल समूह के संस्थापक सेठ स्वर्गीय हरि चरण लाल अग्रवाल के मनु अग्रवाल द्वारा हरि फूड प्रोडेक्ट्स प्राईवेट लिमिटेड मिल संचालित है। तेल मिल में सरसों की तुलाई के दौरान इलेक्ट्रोनिक काँटे में चिप लगा कर एक करोड़ रुपए से अधिक कीमत की करीब 300 टन सरसों के गबन का आरोप है।

प्रदेश में गश्त, नाकाबंदी से अवैध मदिरा की रोकथाम

उदयपुर । आबकारी आयुक्त शिवप्रसाद नकाते के निर्देशानुसार प्रदेश में दीपावली पर्व के तहत अवैध मदिरा निर्माण, भण्डारण, परिवहन एवं विक्रय पर रोकथाम के लिए जारी विशेष निरोधात्मक अभियान के तहत नाकाबंदी, गश्त, रेड की कार्यवाही द्वारा प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। इसके तहत भीलवाड़ा, चूरू, बीकानेर, श्रीगंगानगर, जोधपुर सहित विभिन्न क्षेत्रों में कार्रवाई कर अभियोग दर्ज किए गए।

आबकारी आयुक्त के निर्देशानुसार जारी विशेष निरोधात्मक अभियान के तहत जीरो टोलरेंस की नीति अपनाते हुए अन्य राज्य की शराब की तस्करी, अवैध मदिरा के परिवहन व विक्रय पर प्रभावी कार्रवाई के लिए प्रदेश में रात्रि गश्त, नाकाबंदी व रेड की गतिविधियों में वृद्धि की गई है।

नागौर जिले में मुखबीर की सूचना पर गांव उचेरिया में दबिश की कार्रवाही करते हुए मकान की घेराबंदी कर फरार अभियुक्त त्रिलोकचंद बावरी निवासी उचेरिया को गिरफ्तार किया गया। उल्लेखनीय है कि 9 मार्च 2025 को अभियुक्त के मकान से मौके पर टेट्रेक्टर, महिन्द्रा जीप, बोलेरो पिकअप एवं मोटरसाईकल पर लदे अवैध शराब, स्प्रिट को जब्त किया गया। कार्रवाही में 400 लीटर स्प्रिट, 15 हजार रेपर लेबल, 62 हजार ढक्कन, 23 हजार खाली पव्वे, 400 खाली गत्ता कार्टन, 2 शराब पैकिंग करने की मशीन एवं 15 कार्टन में 720 नकली देशी शराब जब्त की गई थी। अभियुक्त द्वारा मजदूर लगाकर अवैध शराब फैक्ट्री संचालित की जा रही थी। उक्त अभियुक्त को गिरफ्तार कर पूछताछ व अग्रिम कार्यवाही की जा रही है।

भीलवाड़ा जिले के ओजियाड़ा गांव के आमली परावतन एवं भीलवाड़ा शहर के ज्योति नगर में गश्त एवं रेड की कार्रवाही में 2 अभियोग दर्ज किए गए। चूरू जिले में हिसार रोड़ राजगढ क्षेत्र एवं भारतमाला लूणकरणसर में नाकाबंदी करते हुए विभिन्न हल्के व भारी वाहनों की सघन तलाशी ली गई। श्रीगंगानगर जिले के सूरतगढ क्षेत्र में आबकारी निरीक्षक आनन्द कुमार गोदारा के नेतृत्व में गश्त व रेड की कार्रवाही में 3 कच्ची भट्टी व 900 लीटर वॉश नष्ट करते हुए 2 अभियोग दर्ज किए गए। कार्रवाही में प्रहराधिकारी जयपाल यादव, ईपीएफ दल सूरतगढ़ मय जाब्ता शामिल रहे। बीकानेर बीकानेर ग्रामीण क्षेत्र में निरोधात्मक कार्यवाही के तहत 293 देशी शराब के पव्वे बरामद किए गए। अन्य क्षेत्रों में नाकाबंदी के माध्यम से वाहनों की सघन जांच की जा रही है। जोधपुर जिले में भारतमाला ढाढनिया, दौलतपुरा में गश्त व नाकाबंदी के माध्यम से वाहनों की सघन जांच की गई।

प्रदेश के समस्त जिलों में भी विशेष निरोधात्मक अभियान के नाकाबंदी, सघन गश्त जारी है। आबकारी अधिकारी, आबकारी निरीक्षक एवं आबकारी निरोधक दल द्वारा जीरो टोलरेंस की नीति के तहत अवैध मदिरा पर कार्यवाही की जा रही है।

गिरोह बनाकर कई मंदिरों में कि चोरियां

बांसवाड़ा । घाटोल थाना पुलिस ने बड़ी सफलता दर्ज कराते हुए क्षेत्र के जैन मंदिर में हुई चोरी के मामले में दो अन्य आरोपियों को गिरफ्तार कर चोरी की गयी नगदी बरामद की है। थानाधिकारी निर्भय सिंह ने बताया कि गत 4 अगस्त को प्रार्थी सेठ राजमल पुत्र पन्नालाल जैन ने रिपोर्ट दी थी कि कस्बे के मध्य वासुपूज्य दिगम्बर जैन मंदिर में गत रात्रि साढ़े आठ बजे पुजारी कन्हैयालाल जोशी मुख्य दरवाजे का ताला बंद कर अपने घर गया। मंदिर की चौकीदारी के लिये देवजी व धनजी को चौकीदार के रूप में रखा हुआ था। 4 अगस्त को सुबह साढ़े चार बजे चौकीदारों ने सूचना दी कि मंदिर के मुख्य द्वार का ताला तोडकर अज्ञात बदमाश मंदिर में रखा दानपात्र तोड़कर नगदी चुरा ले गये हैं।

इस पर राजमल अन्य समाजजनों को लेकर मंदिर में गये। इस दौरान घाटोल थाने का पुलिस जाप्ता भी मौके पर पहुंचा। मौके पर अज्ञात बदमाशों द्वारा अंट लगाकर उखाड़े हुए मिले वहीं दान पात्र टूटा मिला जिसमें लगभग 25 हजार रूपये बदमाश चुरा ले गये। पुलिस ने मंदिर में लगे सीसीटीवी फुटेज देखे तो पता चला कि रात्रि लगभग 3.42 बजे अज्ञात बदमाशों ने मंदिर में प्रवेश किया।

सार-समाचार

दीपदान से होगी पुष्कर मेले की विधिवत शुरुआत

अजमेर/पुष्कर, (निसं)। अंतर्राष्ट्रीय पुष्कर मेला की 30 अक्टूबर को गोपाष्टी पर ध्वजारोहण और पुष्कर सरोवर के घाटों पर दीपदान के साथ विधिवत शुरुआत होगी। पुष्कर मेले में देशी-विदेशी पर्यटकों की संख्या में इजाफा हो रहा है। रेतीले धोरों पर पशुपालकों की आवाजाही के साथ पशुओं की संख्या में भी बढ़ोतरी हो रही है। अब तक 767 पशु आ चुके हैं। एयर कंडीशन वाहनों से घोड़ों को लाया जा रहा है। वहीं प्रशासन द्वारा सीसीटीवी कैमरों से नजर रखी जा रही है। पुष्कर मेला धार्मिक और अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन का बड़ा केंद्र बनने जा रहा है। प्रतिवर्ष की भांति इस बार भी पुष्कर मेला केवल देश के कोने-कोने से श्रद्धालुओं को बल्कि दुनिया भर से पर्यटकों को अपनी ओर खींच रहा है। अमेरिका, फ्रांस, जर्मनी, ब्रिटेन और जापान से बड़ी संख्या में सैलानी इस मेले में पहुंचने लगे हैं। विदेशी पर्यटक ऊंट और घोड़े की पारंपरिक प्रतियोगिताओं, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और दीपदान महाआरती को लेकर उत्साहित हैं। पर्यटन विभाग के अनुसार, पिछले वर्ष की तुलना में इस बार विदेशी पर्यटकों की संख्या में लगभग 30 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। 30 अक्टूबर को ध्वजारोहण के साथ मेले की औचारिक शुरुआत होगी तो वहीं देर शाम को पुष्कर सरोवर के सभी घाटों पर सवा लाख दीप जलाकर महाआरती और दीपदान किया जाएगा। दो नवंबर को कार्तिक एकादशी पर धार्मिक पदयात्रा निकाली जाएगी, जिसमें बड़ी संख्या में साधु-संतों सहित लाखों श्रद्धालु सरोवर में स्नान कर पूजा अर्चना करेंगे। पुष्कर के ब्रह्मा मंदिर में सालाना अन्नकूट महोत्सव रविवार को मनाया जाएगा। इस मौके पर 56 भोग की झांकी सजा कर ब्रह्माजी को 51 सौ किलो अन्नकूट का भोग लगाया जाएगा तथा महाआरती के बाद श्रद्धालुओं को प्रसाद बाटेंगे। मंदिर पुजारी कृष्ण गोपाल वशिष्ठ ने बताया कि अन्नकूट महोत्सव के उपलक्ष्य में शनिवार सुबह ब्रह्माजी की विशेष अभिषेक पूजा होगी तथा मनमोहक श्रृंगार किया जाएगा। पशुपालन विभाग के अनुसार अब तक 767 पशु मेले में पहुंच चुके हैं। इनमें सबसे अधिक 298 ऊंट और 85 घोड़े सहित अन्य पशु शामिल हैं। पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और राजस्थान के विभिन्न इलाकों से पशुपालक अपने बेशकीमती घोड़े लेकर पहुंचे हैं। एसडीएम गुरु प्रसाद तंवर ने बताया कि पुष्कर में प्रवेश करने के साथ ही पुराने मेला मैदान, चुंगीनाका, पुष्कर का मुख्य बाजार एवं भीड़ भरे इलाकों 150 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। पुष्कर सरोवर के 52 में से अधिक भीड़ वाले 35 से अधिक घाट कैमरे की जद में रहेंगे। पुष्कर मेला 2025 के अन्तर्गत विकास प्रदर्शनी का शुभारम्भ 2 नवम्बर को किया जाएगा। प्रदर्शनी प्रभारी डॉ. सुधाकर सैनी ने बताया कि श्री पुष्कर पशु मेला 2025 में पशु पालन विभाग द्वारा विकास प्रदर्शनी आयोजित की जाएगी।

सूने मकान से सात तोला सोना व 18 हजार की नगदी चोरी

अजमेर, (निसं)। अलवर गेट थाना क्षेत्र में सूने मकान में चोरी की वारदात सामने आई है। जेपी नगर मदर निवासी रामअवतार शर्मा के सूने मकान में चोरों ने ताले तोड़कर करीब सात तोला सोना और 18 हजार रुपए नकद चोरी कर लिए। परिवार दीपावली मानाने गांव गया हुआ था। वहीं नसीराबाद सदर थाना क्षेत्र के दिलवाड़ी गांव में शनिवार को दिनदहाड़े चोरी की बड़ी वारदात हुई। अज्ञात चोरों ने मकान में घुसकर अलमारी का ताला तोड़ा और करीब 12 लाख रुपए के सोने के जेवर और 25 हजार रुपए नकद चोरी कर लिए। घटना के समय पूरा परिवार खेत पर काम कर रहा था। पीड़ित रामअवतार ने बताया कि शनिवार को जब वह गांव से घर पहुंचे तो मकान के ताले टूटे हुए थे। घर में सामान बिखरा हुआ था। शातिर नकबजनों ने सूने मकान में इतमिनान से तलाशी ली और अलमारी में रखे मंगलसूत्र, झुमके, टॉप्स सहित सोने के गहने और नकदी चोरी हुई। पीड़ित की शिकायत पर अलवर गेट थाना पुलिस मौके पर पहुंची और फिंगरप्रिंट व अन्य सबूत जुटाए। पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। क्षेत्र में आस पास लगे सीसीटीवी कैमरे खंगाले और संदिग्धों के प्रयास तेज कर दिए हैं। पीड़ित ओमप्रकाश वैष्णव ने बताया कि वह गाड़ी चलाने गया था और घर के अन्य सदस्य खेत में काम कर रहे थे। उसकी 10 साल की बेटी हंसू मकान के पास बाड़े में सहेली के साथ खेल रही थी। दोपहर 2 से 3 बजे के बीच चोरों ने घर में घुसकर अलमारी तोड़ी और जेवरात व नकदी लेकर फरार हो गए। बाहर निकले चोरों को देखकर बच्ची ने आवाज लगाई, लेकिन वे मौके से भाग निकले। बेटा अंकित खेत से लौटा तो चोरी का पता चला। सूचना पर सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने फिंगरप्रिंट और सबूत जुटाए तथा अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मां ने बच्चे के साथ कुएं में कूदकर आत्महत्या की

ब्यावर (निसं) निकटवर्ती सोवनिया मालीपुरा गांव में एक महिला ने अपने आठ माह के बच्चे के साथ कुएं में कूदकर आत्महत्या कर ली। इस घटना से गांव में हडकंप मच गया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शवों को बाहर निकाला। जानकारी के अनुसार, मृतका का एक बच्चा ननिहाल में रह रहा था, जबकि वह अपने छोटे बच्चे के साथ ससुराल में रह रही थी। महिला अचानक घर से निकली और पास के खेत में बने कुएं में छलांग लगा दी। ग्रामीणों ने घटना देखकर शोर मचाया, लेकिन तब तक मां और बच्चे दोनों की मौत हो चुकी थी। महिला के पीहर पक्ष ने ससुराल वालों पर लगातार परेशान करने व दबाव बनाने का आरोप लगाया है, जिससे महिला मानसिक रूप से परेशान थी। वहीं, ससुराल पक्ष का कहना है कि परिवार में सामान्य कहासुनी होती रहती थी, लेकिन यह इतनी बड़ी बात नहीं थी कि महिला को अपनी जान गंवानी पड़े। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने दोनों शवों को कुएं से बाहर निकालकर पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल भेजा। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीहर पक्ष ने मांग की है कि पोस्टमॉर्टम मेडिकल बोर्ड से करवाया जाए, ताकि घटना की सच्चाई सामने आ सके। ससुराल पक्ष के लोग फिलहाल इस मामले पर मौन हैं।

उप मुख्यमंत्री ने दीपावली स्नेह मिलन समारोह में शिरकत की

सीकर, (निसं)। उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने शनिवार को फतेहपुर शेखावाटी में आयोजित आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान एवं दीपावली स्नेह मिलन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। कार्यक्रम कस्बे के सूर्य मंडल परिसर में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री डॉ. बैरवा के साथ राज्यसभा सांसद मदन राठौड़, राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के सलाहकार राजिक फरसीवाला, देवनारायण बोर्ड के अध्यक्ष ओमप्रकाश भडाणा सहित अनेक जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। उप मुख्यमंत्री के फतेहपुर आगमन पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों द्वारा पुष्पमालाओं, साफा एवं स्मृति चिह्न भेंट कर स्वागत किया। इसके पश्चात उन्होंने बुद्धिगरी मढ़ी परिसर पहुंचकर महंत दिनेश गिरी महाराज से आशीर्वाद प्राप्त किया। मुख्य समारोह में स्थानीय समाजों, महिला मंडलों एवं युवाओं ने पारंपरिक परिधानों में भाग लेते हुए अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी गईं तथा स्थानीय उत्पादों एवं हस्तशिल्प प्रदर्शनी का अवलोकन किया गया। उप मुख्यमंत्री बैरवा ने अपने संबोधन में कहा कि आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में ग्रामीण एवं स्थानीय स्तर पर स्वदेशी उत्पादों और उद्योगों को प्रोत्साहन देना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि स्थानीय उत्पादों को प्राथमिकता देने से न केवल क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था सुदृढ़ होगी बल्कि रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ने उपस्थित जनसमूह को दीपावली पर्व की शुभकामनाएं दी तथा सामाजिक एकता, स्वच्छता और विकास के प्रति सभी नागरिकों से संयुक्त प्रयास करने का आव्हान किया। कार्यक्रम में अनेक जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता, अधिकारी एवं नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

पाराहेड़ा गांव में गौ चेतना यात्रा का किया स्वागत

बांसवाड़ा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ शताब्दी वर्ष के दौरान गौ सेवा गतिविधि जिला विभाग की ओर से आयोजित अष्ट दिवसीय गौ चेतना यात्रा तीसरे दिन कुशलपुरा से पाराहेड़ा गांव में गोधूली वेला पर पहुंची। ठाामीणों ने गौ माताओं का पुष्प वर्षा कर स्वागत करते हुए पूजा अर्चना एवं आरती की। गौ माताओं को मन्दिर परिसर में ठहराया गया। गौ पूजन के पश्चात में गौ सेवा गतिविधि के प्रांतीय कार्यकारिणी सदस्य एवं प्रांत गौ चिकित्सा आयाम प्रमुख किशन लाल मारू ने शास्त्रों में गौ माता की महिमा आदि।

खुशबू मौत प्रकरण : आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग, सर्व समाज ने किया प्रदर्शन

खुशबू राजपुरोहित की संदिग्ध हालत में मौत के बाद शव एमडीएम मोर्चरी में पड़ा हुआ है

- **पुलिस ने दहेज हत्या का प्रकरण दर्ज कर पति को हिरासत में लिया था, मगर मृतका के परिजन ससुराल पक्ष के अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग पर अड़े हैं**
- **परिजनों ने खुशबू राजपुरोहित को जहर देकर मारने का आरोप लगाया, मामले का खुलासा जांच के बाद ही हो पाएगा**

जोधपुर, (कासं)। शहर के पावटा सी रोड पर रहने वाली खुशबू राजपुरोहित की संदिग्ध हालात में मौत के बाद दूसरे दिन शनिवार को भी उसका शव एमडीएम मोर्चरी में पड़ा रहा। पुलिस ने दहेज हत्या का प्रकरण दर्ज कर उसके पति को हिरासत में लिया था, मगर मृतका के परिजन ससुराल पक्ष के अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग पर अड़े हैं। राजपुरोहित समाज ने सर्व समाज को साथ लेकर एमडीएम अस्पताल मोर्चरी के बाहर धरना देकर प्रदर्शन किया। फिलहाल उसका शव नहीं उठाया गया है। पुलिस भी धरनास्थल पर पहुंची है। परिजनों ने जहर देकर मारने का आरोप लगाया था, मामले का खुलासा जांच के बाद ही हो पाएगा।

जानकारी के अनुसार मृतका के भाई पाली जिले के रोहट स्थित धरमधारी निवासी इंद्रजीत सिंह ने महिला थाना (पूर्व) में रिपोर्ट दी थी। इसमें पति हर्षित सिंह, ससुर चंद्र सिंह उर्फ चंदन सिंह, सास मंजू देवी, जेठ अंकित सिंह व ननद साक्षी के खिलाफ दहेज के लिए तंग व प्रताड़ित, मारपीट करने और जहरीला पदार्थ खिलाकर जान से मारने का प्रयास करने का आरोप लगाया। खुशबू की मौत के बाद एफआईआर में दहेज हत्या की धारा भी जोड़ी गई है। पुलिस ने पति हर्षित सिंह राजपुरोहित को रात तक हिरासत में ले लिया। मृतका के परिजन और समाज के लोग ससुराल पक्ष के सभी आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर एमडीएम अस्पताल की मोर्चरी के बाहर धरने पर बैठे हैं। इधर शनिवार को परिजन सभी आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग पर अड़े रहे।

पाली के रोहट स्थित धरमधारी निवासी इंद्रजीत सिंह ने रिपोर्ट में बताया कि 2 मई 2022 को खुशबू की शादी हर्षित से हुई थी। वह जयपुर में सोलर कंपनी में काम करता है। शादी में पिता ने हैसियत के मुताबिक दहेज दिया था, मगर वे उसके बाद भी दहेज के लिए प्रताड़ित करने लगे। पति जब भी जयपुर से आता। तब वह मारपीट करता था। गत 20 जून को खुशबू ने पीहर जाकर मां और भाई को उसके साथ हो रही प्रताड़ना के बारे में बताया। तब समाज स्तर पर बातचीत से रास्ता निकाल ससुराल पक्ष ने दुबारा इस तरह की कोई बात नहीं होने का भरोसा दिलाया था। खुशबू को गत 20 अक्टूबर को उसे ससुराल भेजा। ससुराल जाने के दूसरे ही दिन खुशबू ने भाई को फोन कर जान से मारने की आशंका जताई थी। भाई उसे दूसरे दिन लेने के लिए जाने वाला था। इस बीच दोपहर में ससुर ने खुशबू की तबीयत खराब होने व अस्पताल ले जाने के बारे में सूचना दी।

दो ग्राम विकास अधिकारी सेवा से बर्खास्त

- **पांचू पंचायत समिति से दोनों ग्राम विकास अधिकारी पांच साल से अधिक समय से अनुपस्थित थे**

बीकानेर, (निसं)। पांचू पंचायत समिति के दो ग्राम विकास अधिकारियों को पांच साल से ज्यादा समय से अवकाश पर रहने के कारण सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है। ग्राम विकास अधिकारी रमेश ओझा और गिरधर स्वामी को राजकीय सेवा से हटाने के आदेश जारी हुए।

सीईओ जिला परिषद सोहन लाल ने बताया कि दोनों ग्राम विकास अधिकारी 5 वर्ष से अधिक अवधि से अवकाश पर थे, जिसकी किसी तरह की कोई सूचना भी नहीं दी गई। पांचू पंचायत समिति के ग्राम विकास अधिकारी रमेश ओझा के 2 जून 2016 से बिना सक्षम स्तर से अवकाश स्वीकृत कराये स्वेच्छा से लगातार ड्यूटी/राजकीय सेवा से अनुपस्थित रहने के कारण और गिरधर स्वामी ग्राम विकास अधिकारी पंचायत समिति बीकानेर के दिनांक 20 नवंबर 2016 से कार्यमुक्त होकर अब तक पंचायत समिति पांचू में कार्यग्रहण नहीं किया। इसी कारण 20 नवंबर 2016 से निरन्तर बिना सक्षम स्तर से अवकाश स्वीकृत कराये लगातार ड्यूटी व राजकीय सेवा से अनुपस्थित है। इसी कारण राजकीय सेवा से हटा दिया गया है। जिला स्थापना समिति की 15 अक्टूबर 2025 को हुई बैठक में उक्त दोनों प्रकरण समिति सदस्यों के समक्ष रखे गये जिसका समिति सदस्यों ने गहनता से अवलोकन किया। जिसमें रमेश ओझा व गिरधर स्वामी को बर्खास्त करने का निर्णय लिया गया।

जैसलमेर बस हादसे में एक और घायल की मौत, मृतकों की संख्या 27 हुई

जोधपुर, (कासं)। जैसलमेर बस हादसे में एक और घायल की मौत हो गई। महात्मा गांधी अस्पताल में उपचार के दौरान गंगाणा निवासी इकबाल ने दम तोड़ दिया। इस मौत के बाद इस हादसे में मृतकों की संख्या 27 हो गई है। महात्मा गांधी अस्पताल के अधीक्षक डॉ. फतेह सिंह भाटी ने बताया कि हादसे में घायल गंगानी निवासी इकबाल (41) की शनिवार को इलाज के दौरान मौत हो गई। बता दे कि इस हादसे में मौतों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। हादसे वाले दिन मौके पर ही 19 मौत हो गई थी। उसके बाद एक घायल ने अस्पताल लाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया था। अब मृतकों की संख्या बढ़कर 27 हो गई है। हादसे में अभी एक मरीज वेंटिलेटर पर है।

जन्मदिन मनाने के बाद डॉ. सतीश पूनियां ने गिरिराजजी की पैदल परिक्रमा की

डॉ. सतीश पूनियां ने सपरिवार गोवर्धनजी की पैदल परिक्रमा की।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने डॉ. पूनियां का माला पहनाकर स्वागत किया।

- **डॉ. सतीश पूनियां ने भगवान श्रीकृष्ण की नगरी ब्रजभूमि पूँछरी का लौठा गोवर्धन में जन्मदिन मनाया**
- **पूनियां को राजस्थान, हरियाणा, उत्तर प्रदेश दिल्ली के हजारों कार्यकर्ता और नेता बधाई देने पहुंचे**

भरतपुर/जयपुर। भाजपा हरियाणा प्रभारी, भाजपा राजस्थान पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां ने शनिवार सुबह परिवार के साथ पूँछरी का लौठा में गोवर्धन महाराज की पैदल परिक्रमा कर राजस्थान एवं देशवासियों की खुशहाली की कामना की और संतों का आशीर्वाद लिया। वहीं पैदल परिक्रमा करने के दौरान पूनियां ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से स्थानीय लोगों के साथ स्वच्छ भारत अभियान के तहत झाड़ू लगाकर आमजन से स्वच्छता को बढ़ावा देने के आव्हान किया।

जानकारी के अनुसार 24 अक्टूबर को डॉ. सतीश पूनियां ने अपना 61वां जन्मदिन भरतपुर डीग जिले में स्थित पूँछरी का लौठा में भगवान श्री गोवर्धन महाराज और श्रीनाथजी भगवान की पूजा-अर्चना कर राजस्थान, हरियाणा, उत्तर प्रदेश के कार्यकर्ताओं के साथ मनाया था, जहां भारी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता, पार्टी पदाधिकारी, विधायक, मंत्री, पूर्व मंत्री विधायकों सहित आमजन एवं गणमान्य लोग बधाई एवं शुभकामनाएं देने पहुंचे। डॉ. सतीश पूनियां ने जन्मदिन एवं दीपावली स्नेह मिलन पर सुबह भगवान श्री गोवर्धन जी महाराज मुकुट मुखारविंद पर धर्मपत्नी मोहिनी पूनियां, पुत्र महीप पूनियां, पुत्रवधू शिप्पी सुंडा और बेटी अनुष्का के साथ दुग्धाभिषेक कर पूजा- अर्चना की एवं श्रीनाथजी मंदिर में दुग्धाभिषेक, छप्पन भोग एवं बालभोग प्रसादी के साथ पूजा अर्चना की और उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले में गोवर्धन जी दानघाटी में पूजा-अर्चना कर राजस्थान और देशवासियों की खुशहाली की कामना की।

कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए सतीश पूनियां ने कहा कि, यह न आमसभा है, न यह शक्ति प्रदर्शन है यह तो भक्ति प्रदर्शन है, जिसमें पूरे राजस्थान के कोने-कोने से पधारे कार्यकर्ताओं ने हम सब के आराध्य भगवान श्री कृष्ण की नगरी पूँछरी का लौठा गोवर्धन में दर्शन किए और मेरे जैसे सामान्य किसान परिवार में जन्मे कार्यकर्ता को आप सब ने आशीर्वाद दिया, यह मेरे लिए बहुत बड़ा सौभाग्य है की भगवान श्रीकृष्ण की नगरी ब्रजभूमि में मुझे गोवर्धन जी महाराज और श्रीनाथजी के दर्शन करने का सौभाग्य मिला और आप सब कार्यकर्ताओं के दर्शन करने का भी मुझे सौभाग्य मिला।

सतीश पूनियां ने कहा कि ब्रजभूमि में मुझे जन्मदिन की बधाई देने के लिए राजस्थान के प्रत्येक कोने-कोने और ब्रजभूमि भरतपुर डीग के देवतुल्य कार्यकर्ताओं को हार्दिक बधाई एवं अभिनंदन करता हूं। सतीश पूनियां ने कहा कि भरतपुर की पूरे देश में एक अलग शान है एक अलग पहचान है यह सब वीर योद्धा महाराजा सूरजमल की देन है, आज भरतपुर की पहचान महाराजा सूरजमल से ही होती है। पूर्व मंत्री डॉ. दिगम्बर सिंह को भी सतीश पूनियां ने सभा में याद किया और कहा कि भरतपुर और आसपास के जिलों में भारतीय जनता पार्टी को मजबूती प्रदान करने में दिगंबर सिंह का बहुत बड़ा योगदान रहा है आज उनकी कमी खल रही है।

इस अवसर मंत्री जवाहर सिंह बेढम, डीग कुम्हेर विधायक डॉ. शैलेश सिंह, झुंझुनू विधायक राजेंद्र भामू, कठूमर विधायक रमेश खींची, पूर्व विधायक बनवारी सिंह सिंघल, पूर्व विधायक अभिनेश महर्षि, पूर्व विधायक सुभाष पूनियां, पूर्व विधायक सुखराम सिंह कोली, माटी कला बोर्ड के अध्यक्ष प्रहलाद टाक, दिल्ली नजफगढ़ विधायक नीलम पहलवान, गोवर्धन विधायक मेघश्याम सिंह ठाकुर सहित राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश से कई जनप्रतिनिधि, पार्टी कार्यकर्ता, पार्टी पदाधिकारी सतीश पूनियां को जन्मदिन की बधाई देने श्रीनाथजी मंदिर पहुंचे।

विधवा महिला से व्यापारी ने दुष्कर्म किया

- **आरोप है कि आरोपी ने उधार लिए पैसे नहीं लौटाने पर रेप किया**
- **महिला-बच्चों को जान से मारने की धमकी भी दी, मामला दर्ज**

श्रीगंगानगर, (निसं)। जिले के एक थाना क्षेत्र में एक विधवा महिला से रेप करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि आरोपी ने उधार लिए पैसे नहीं लौटाने पर रेप किया। आरोपी अब महिला व उसके बच्चों को जान से मारने की धमकी दे रहा है।

पुलिस को दी रिपोर्ट में महिला ने बताया कि दो-तीन महीने पहले उसके पति की मौत हो गई थी। उसके पति ने एक व्यापारी राजकुमार उर्फ भंडारी से 20-25 हजार रुपए उधार लिए थे। पति की मौत होने के बाद आरोपी रोजाना उनके घर आता है और पैसे मांगता है। महिला का आरोप है कि आरोपी महिला के पास पैसे नहीं होने के कारण उस पर गंदी नजर रखने लग गया। 22 अक्टूबर को महिला अपने घर पर अकेली थी। उसके बच्चे बाहर खेल रहे थे। इस दौरान आरोपी घर में आया और उसे जबरदस्ती कमरे में ले गया और रेप किया। इसके बाद आरोपी मौके से भाग गया। आरोपी ने जाते हुए धमकी दी है कि वह उसके साथ इसी तरह उधार दिए पैसों की वसूली करता रहेगा। आरोपी ने धमकी दी कि अगर महिला ने उसकी शिकायत पुलिस में की तो वह महिला व उसके बच्चों को जान से मार देगा। फिलहाल महिला की रिपोर्ट पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामले की जांच एसआई सुभाषचंद्र कर रहे हैं।

दो किशोरों पर दुष्कर्म का आरोप

जोधपुर, (कासं)। जिला पूर्व में नाबालिग से दो किशोरों ने सामूहिक दुष्कर्म किया। बच्ची को किशोर अपने साथ एक कैफे पर लेकर गए, जहां पर बारी-बारी दुष्कर्म किया गया। घटना दिवाली की होना बताया जाता है। फिलहाल पुलिस जांच में जुटी है। पुलिस के अनुसार जिला पूर्व में एक किशोरी को उसके दो परिचित किशोर साथ लेकर एक कैफे पर गए, जहां उससे दुष्कर्म किया गया। किशोरी के पिता को इस बात का पता लगने पर अब पुलिस में मामला दर्ज कराया गया है।

डीडवाना कुचामन जिले के कई सरकारी स्कूलों को मिलेंगे पट्टे

- **जिला कलेक्टर डॉ. महेंद्र खड़गावत के निर्देशन में जिला प्रशासन की महत्वपूर्ण पहल**

डीडवाना-कुचामन, (निसं)। जिला कलेक्टर डॉ. महेंद्र खड़गावत के निर्देशन में जिला प्रशासन ने जिले के पट्टा विहीन राजकीय विद्यालयों को पट्टे देने की एक महत्वपूर्ण पहल की है। इसी पहल के तहत जिला प्रशासन द्वारा 28 अक्टूबर को जिले के 400 से अधिक राजकीय विद्यालयों को एक साथ पट्टे दिये जायेंगे।

अति. कलेक्टर मोहन लाल खटनावलिया ने बताया कि कलेक्टर डॉ. खड़गावत ने जिले के राजकीय विद्यालयों को पट्टे जारी करने के निर्देश प्रदान किये थे। इसी क्रम में शिक्षा विभाग के अधिकारियों व राजकीय विद्यालयों के प्रिंसिपल को जिले के उन सभी विद्यालयों की सूची तैयार करने के लिए निर्देश जारी किये गए जिनके पट्टे नहीं बने हुए थे तथा सभी संस्था प्रधान को विद्यालयों के पट्टे बनवाने के संबंध में जरूरी दस्तावेजों के लिए मार्गदर्शन दिया गया।

उन्होंने बताया कि इस प्रकार जिले में 400 से अधिक राजकीय विद्यालयों की सूची तैयार कर उनके पट्टे बनाने का कार्य जिला प्रशासन द्वारा एक मिशन के रूप में किया गया।

अतिरिक्त कलेक्टर खटनावलिया ने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा 28 अक्टूबर को राजस्व राज्य मंत्री विजय सिंह चौधरी के मुख्य आतिथ्य में नगर परिषद सभागार कुचामन सिटी में इन सभी विद्यालयों को एक साथ पट्टे प्रदान किये जायेंगे।

उन्होंने बताया कि जिला कलक्टर डॉ खड़गावत के निर्देशन जिला प्रशासन द्वारा की गई इस महत्वपूर्ण पहल से राजकीय विद्यालयों में भवन निर्माण, कक्षा-कक्षों का विस्तार एवं खेल मैदान के निर्माण में किसी प्रकार का अवरोध उत्पन्न नहीं होगा साथ ही जन सुविधाओं के विस्तार में भी वृद्धि होगी।

लोन दिलाने के नाम पर करोड़ों की ठगी, आरोपी गिरफ्तार

- **12 चेकबुक, 4 पासबुक, 10 एटीएम कार्ड और 3 मोबाइल सिम कार्ड बरामद**

अजमेर, (निसं)। पुलिस मुख्यालय जयपुर के निर्देश पर चल रहे सायबर फ्रॉड विरोधी विशेष अभियान के तहत गांधी नगर थाना पुलिस ने लोन दिलाने के नाम पर करोड़ों की ठगी करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से 12 चेकबुक, 4 पासबुक, 10 एटीएम कार्ड और 3 मोबाइल सिम कार्ड बरामद किए गए।

जिला पुलिस अधीक्षक वंदिता राणा के निर्देश पर थाना अधिकारी संजय शर्मा के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने तकनीकी जांच के आधार पर इस फ्रॉड का पर्दाफाश किया। पुलिस ने आरोपी सुमित परिहार को गिरफ्तार किया। किशनगढ़ निवासी परिवादी दिपांशु बंसल ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि आरोपी ने बंधन बैंक से लोन दिलाने के नाम पर उसका आधार, पैन कार्ड, दुकान का लाइसेंस और हस्ताक्षरित फार्म ले लिए। कुछ समय बाद उसके नाम पर बैंक खाता खुला और पासबुक-चेकबुक आरोपी ने अपने कब्जे में रख ली। बाद में पता चला कि उस खाते से विभिन्न राज्यों में 3.17 करोड़ का लेनदेन हुआ और खाते पर 31 सायबर शिकायतें दर्ज हैं। जांच में सामने आया कि सुमित ने फर्जी आधार कार्ड से नया मोबाइल नंबर लिया और उसी से नेट बैंकिंग के जरिए खातों का संचालन किया। उसने कई खातों के जरिए करोड़ों का लेन-देन किया है। आरोपी परिहार के खिलाफ गांधीनगर थाने में पहले से ही तीन आपराधिक मामले दर्ज हैं, जिनमें राजकार्य में बाधा, सरकारी संपत्ति को नुकसान और आर्म्स एक्ट के प्रकरण शामिल हैं। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर उसके नेटवर्क और अन्य खातों की जांच कर रही है।

गौवंश से भरा ट्रक कंटेनर पकड़ा

अजमेर, (निसं)। नसीराबाद में गौ रक्षा दल ने शुक्रवार देर रात 40 गौवंशसे भरा एक ट्रक कंटेनर पकड़ा। सूचना पर जसवंतपुरा जंगल में गौ रक्षा दल ने ट्रक का पीछा कर नेशनल हाईवे 48 पर झड़वासा मोतीपुरा के पास घेराबंदी की और वाहन को रोक लिया। अंधेरे का फायदा उठाकर तस्कर मौके से फरार हो गए। गौ रक्षा दल के गोविंदा सौदे और घीसू पथरिया ने बताया कि ट्रक में गौवंश को ठूंस-ठूंसकर भरकर कत्लखाने ले जाया जा रहा था। सूचना पर टीम मौके पर पहुंची और पीछा कर कंटेनर पकड़ा।

एसपी कार्यालय के एलडीसी पर महिला से दुष्कर्म का आरोप, मामला दर्ज

श्रीगंगानगर, (निसं)। एसपी कार्यालय के एक एलडीसी पर एक कांस्टेबल की पत्नी ने चाय में नशीला पदार्थ पिलाकर दुष्कर्म करने का आरोप लगाया है। पीड़ित महिला ने एलडीसी सुमित गोदारा के खिलाफ सदर थाने में मुकदमा दर्ज करवाया है। पुलिस ने पीड़िता का मेडिकल मुआयना करवा जांच शुरू कर दी है। अभी तक आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। पीड़िता का पति किसी अन्य जिले में कांस्टेबल है। वारदात दस महीने पहले की है। पुलिस के अनुसार पीड़िता के मजिस्ट्रेट के समक्ष बयान दर्ज करवाए जाएंगे।

जांच अधिकारी डीएसपी (एससी/एसटी सेल) विष्णु खत्री के अनुसार पीड़िता ने एफआईआर में आरोप लगाया है कि वह लोन संबंधी किसी काम को लेकर आरोपी से मिली थी। इसी का फायदा उठाकर आरोपी ने उसके साथ दुष्कर्म किया। वारदात दिसंबर 2024 की बताई गई है। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि आरोपी सुमित गोदारा ने काम में उसकी मदद का आश्वासन देते हुए फोन नंबर ले लिया। उसी दिन फोन करके उसे ऑफिस के बाहर मिलने के लिए बुलाया और किसी अनजान जगह पर ले गया। आरोप है कि सुमित गोदारा ने उसे चाय में नशीला पदार्थ मिलाकर दे दिया जिससे वह बेहोश हो गई। इसके बाद दुष्कर्म किया गया। पीड़िता के मुताबिक पिछले दिनों वह श्रीगंगानगर आई तो आरोपी उसे एक सुनसान मकान में ले गया और छेड़छाड़ की। उसने शोर मचाने व पुलिस को शिकायत की बात कही तो सुमित गोदारा फरार हो गया। डीएसपी विष्णु खत्री के मुताबिक कांस्टेबल की पत्नी की ओर से लगाए गए आरोप पर केस दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

19 साल से फरार 25 हजार के ईनामी आरोपी को मुंबई से दबोचा

आरोपी ने गांव में पत्नी को छोड़कर मुंबई में दूसरी शादी रचा ली थी, एक रेजीडेंसी में गार्ड की नौकरी कर रहा था

- **महज डेढ़ लाख रूपए के लिए आरोपी ने अपना और पिता का नाम बदलकर नया आधार कार्ड तक बनवा लिया था**
- **आरोपी के खिलाफ जनवरी 2007 में बिसाऊ थाने में कबूतरबाजी के दो मामले दर्ज हुए थे**

बिसाऊ, (निसं)। स्थानीय थाना पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए 19 साल से कबूतरबाजी के मामले में फरार चल रहे एक आरोपी को मुंबई से गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ जनवरी 2007 में बिसाऊ थाने में कबूतरबाजी के दो मामले दर्ज हुए थे। जिसके बाद वे वह फरार था। पुलिस ने 25 हजार का ईनाम घोषित कर रखा था। पुलिस ने आरोपी को मुंबई से गिरफ्तार कर लिया है।

जानकारी के मुताबिक सीकर जिले के धोद थाना क्षेत्र के कासली निवासी 50 वर्षीय रमजान अली पुत्र नबी बक्श मनियार ने 19 साल पहले दो जनों को विदेश भेजने के नाम पर रूपए लिए थे। इस मामले में दो केस बिसाऊ थाने में दर्ज थे, लेकिन केस दर्ज होने के बाद से ही रमजान फरार चल रहा था। कुछ दिन पहले पुलिस को सूचना मिली कि रमजान अली मुंबई में अपना नाम बदलकर नया आधार कार्ड बना चुका है और मुंबई में ही रहता है। जिस पर बिसाऊ एसएचओ महेंद्र सिंह के निर्देशन में हैड कांस्टेबल बीरबल तथा कांस्टेबल श्रीराम मुंबई पहुंचे।

मुम्बई में बिसाऊ पुलिस की टीम दो दिन तक बोरीवाली, दहिसर, अंधेरी (ईस्ट), लोखण्डवाला, गोरेगांव, जोगेश्वरी शांता क्रुज में भेष बदल कर रैकी की। इस दौरान सामने आया कि रमजान अली ने अपना नया आधार कार्ड बना लिया है और यहां पर दूसरी शादी भी कर ली है। उसने नया नाम अली के नाम से आधार कार्ड बनवाया और पिता के नाम के साथ भी छेड़छाड़ कर ली। हैड कांस्टेबल बीरबल तथा कांस्टेबल श्रीराम ने आरोपी को जोगेश्वरी ईस्ट मुम्बई से दस्तयाब किया। जहां पर वह एक रेजिडेंसी में गार्ड की नौकरी कर रहा था। पुलिस इस रेजिडेंसी में एक मोबाइल कंपनी के प्रतिनिधि के रूप में घुसी और सिम वेरिफिकेशन करने के बहाने आरोपी तक पहुंची।

प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि आरोपी यहां से भागा तो अपनी पत्नी छोड़कर चला गया। परिवार से भी सारे संपर्क तोड़ लिए थे। मुंबई में उसने दूसरी शादी भी कर ली थी। बावजूद इसके पुलिस ने 19 साल बाद ईनामी आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। महज डेढ़ लाख रूपए के लिए आरोपी ने ना केवल अपना घर, परिवार, गांव छोड़ दिया, बल्कि अपना और पिता का नाम भी बदलकर अपनी पुरानी पहचान खत्म करके नया आधार कार्ड तक बनवा लिया। पुलिस आरोपी से कबूतरबाजी के मामले में पूछताछ कर रही है।

गौशाला के बाहर फेंकी 20 से अधिक मृत गौवंश

पाटन, (निसं)। गौ सेवा के नाम पर चल रही व्यवस्थाओं की हकीकत एक बार फिर सामने आई है। गुहाला के पास स्थित श्री कृष्ण गौशाला, हुलड़ा का बास, ताल क्षेत्र के बाहर 20 से अधिक मृत गौवंश के शव और अवशेष खुले में पड़े मिले हैं।

गौ सेवा दल गुहाला के अध्यक्ष मनीष और उपाध्यक्ष अंकित ने इस घटना की सूचना दी। उन्होंने बताया कि गौशाला की सीमा के ठीक बाहर ज़मीन पर ही मृत गौवंश को फेंक दिया गया है। कई गौवंश के कानों में टैग लगे मिले, जिनकी जांच करने पर यह स्पष्ट हुआ कि ये गौशाला की ही गायें थीं। स्थल पर देखे गए अवशेषों में कुछ शव तीन महीने पुराने, कुछ दो महीने पुराने, कुछ एक महीने पुराने और कुछ ताज़ा मृत गौवंश के थे। इससे यह स्पष्ट होता है कि यह कोई एकबारगी घटना नहीं, बल्कि लंबे समय से चल रही लापरवाही और अमानवीयता का परिणाम है। स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि गौशाला प्रबंधन मृत गौवंश को नियमित रूप से बाहर डाल देता है, जिससे दुर्गंध और संक्रमण का खतरा फैल रहा है।

जयपुर डिस्कॉम उपभोक्ताओं से "स्टार रेटिंग" फीडबैक लेगी- भजनलाल

मुख्यमंत्री के निर्देश पर तीनों डिस्कॉम ने दिवाली से पहले 37 हजार विद्युत कनेक्शन दिए

जयपुर, 25 अक्टूबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशा के अनुसार, प्रदेश में आमजन को गुणवत्तापूर्ण एवं सुलभ विद्युत सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। इसी दिशा में मुख्यमंत्री के निर्देश पर डिस्कॉम्स ने निरंतर विद्युत सेवाओं में सुधार करते हुए इन्हें उपभोक्ता अनुकूल एवं जवाबदेह बनाने के नवाचार किए हैं।

प्रदेश के तीनों डिस्कॉम्स ने दीपावली से पूर्व विशेष अभियान चलाकर प्रदेशभर में 37 हजार 251 घरेलू विद्युत कनेक्शन जारी किए हैं। जयपुर डिस्कॉम ने घरेलू उपभोक्ताओं के लिए "स्टार रेटिंग" का फीडबैक सिस्टम संबंधी नवाचार भी प्रारंभ किया है।

तीनों डिस्कॉम्स ने 1 अक्टूबर से 20 अक्टूबर तक विशेष अभियान चलाया, जिसके तहत लंबित प्रकरणों के साथ-साथ नए प्रकरणों में दस्तावेज की जांच, साइट वेरीफिकेशन, डिमांड नोट जारी करने

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

सहित, अन्य आवश्यक प्रक्रियाओं को शीघ्र पूरा कर कनेक्शन प्रदान किए गए।

जयपुर डिस्कॉम ने विद्युत कनेक्शन जारी करने में आने वाली समस्याओं के संबंध में जानकारी लेने

■ **"बिजली मित्र" एप्लीकेशन में उपभोक्ता कनेक्शन प्राप्त करने के अनुभव को "स्टार रेटिंग" देगा। हर माह के अंत में सब डिविज़न लेवल पर समीक्षा होगी। इसके अनुसार अधीक्षण अभियंता और सहायक अभियंता कार्यालय की रैंकिंग तय होगी।**

एवं निचले स्तर तक मॉनीटरिंग को आसान बनाने के लिए स्वतंत्र फीडबैक सिस्टम का नवाचार किया है। इस मैकेनिज्म में नया घरेलू कनेक्शन जारी होने के बाद आवेदक को मोबाइल एप्लीकेशन "बिजली मित्र" डाउनलोड करने का एसएमएस प्राप्त होगा।

एप्लीकेशन डाउनलोड करते ही "के" नम्बर डालने पर उपभोक्ता को फीडबैक पॉप अप दिखाई देगा। इस पॉप अप पर क्लिक करते ही उपभोक्ता कनेक्शन प्राप्त करने के अपने अनुभव 1 से 5 स्टार रेटिंग के जरिए प्रदान कर सकेंगे। इनकी वृत्त तथा सब डिविजन स्तर पर प्रत्येक माह समीक्षा होगी तथा डिस्कॉम द्वारा नियमित मॉनीटरिंग की जाएगी। इसके अनुसार अधीक्षण अभियंता और सहायक अभियंता कार्यालय की रैंकिंग तय होगी।

इसी तरह, जयपुर डिस्कॉम ने बिजली कनेक्शन को लेकर उपभोक्ताओं से हैल्पलाइन सेवा 181 के माध्यम से भी फीडबैक लिया था। इस प्रक्रिया में 1 अप्रैल से 15 अगस्त के दौरान विद्युत कनेक्शन लेने वाले 75 हजार 746 उपभोक्ताओं को मोबाइल पर कॉल किए गए। इसके जरिए उपभोक्ताओं ने बिजली कनेक्शन जारी होने संबंधित अपने अनुभव साझा किए।

उदयपुर के पास एनिकट में डूबने से चार बच्चों की मौत

एक-दूसरे को बचाने के प्रयास में तीन भाई-बहन व एक बच्ची डूब गए

उदयपुर, 25 अक्टूबर। शहर के समीप डबोक थाना क्षेत्र में एनिकट में नहाने के लिए गये चार बच्चों की गहराई में जाने से डूबने से मौत हो गई। मृतकों में तीन सगे भाई-बहन हैं। एक-दूसरे को बचाने के प्रयास में यह हादसा हुआ और चारों की मौत हो गई।

थानाधिकारी हुकुम सिंह ने बताया कि मनोहर (6) पुत्र राजू कालबेलिया, कोमल (8) पुत्री राजू कालबेलिया, पायल (10) पुत्री राजू कालबेलिया और सुमन (16) पुत्री केशू कालबेलिया निवासी लक्ष्मणपुरा काकरनाडा भमरासिया घाटी- चारों की डूबने से मौत हो गई।

इन बच्चों के परिवार की बकरियां चरने गई थी। परिजनों ने बच्चों से बकरियों को तलाश कर वापस घर लाने को कहा था। चारों बच्चे एक साथ गए थे और एनीकट में नहाने लगे। एक बच्चे का पैर फिसला और वह गहरे पानी में चला गया। उसे बचाने के लिए बाकी तीन बच्चों ने

■ **चारों बच्चे चरने गई बकरियों को वापस लाने गए थे और एनिकट में नहाने लगे। एक बच्चा पैर फिसलने से गहरे पानी में चला गया। उसको बचाने के प्रयास में बाकी तीन भी डूब गए।**

प्रयास किए और एक को बचाने के प्रयास में एक-एक कर वे तीनों भी पानी में डूब गए। बच्चों के चिल्लाने की आवाज सुनकर एक व्यक्ति वहां पहुंचा तो उसने इस बारे में गांव में जाकर बताया।

मौके पर ग्रामीण पहुँचे और पुलिस को सूचना देने के साथ ही बच्चों की तलाश शुरू कर दी। मौके पर पुलिस भी पहुँची और पुलिस ने सिविल डिफेंस की टीम को सूचित किया। सूचना पर राजस्थान नागरिक सुरक्षा विभाग की टीम तत्काल मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक स्थानीय व्यक्तियों ने सभी शवों को बाहर निकाल कर डबोक पुलिस को दे दिया था। मौके पर पांच जोड़ी कपडे होने पर एक बच्चे के और होने की आशंका पर ढूंढने के लिए नागरिक सुरक्षा विभाग उदयपुर की टीम ने सर्च ऑपरेशन जारी किया। परंतु कोई नहीं मिला। टीम में गोताखोर विजय नकवाल, विपुल चौधरी, दिनेश गमेती, सचिन कंडारा, प्रकाश राठौड़, जगदीश कुमावत एवं वाहन चालक कैलाश मेनारिया मौजूद रहे।

सूचना मिलने पर, मौके पर वल्लभनगर तहसीलदार सुरेन्द्र छीपा पहुंचे। तहसीलदार ने मृतक आश्रितों को सरकारी आर्थिक सहायता देने का आश्वासन दिया। बाद में बच्चों का पोस्टमार्टम करवाकर, शव परिजनों के सुपुर्द कर दिये।

एलआईसी ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की कोई भूमिका नहीं होती। एलआईसी ने उच्चतम मानकों का पालन करते हुए उचित परिश्रम सुनिश्चित किया है और सभी निवेश निर्णय को मौजूदा नीतियों, अधिनियमों के प्रावधानों और नियामक दिशानिर्देशों के तहत लिये गये हैं, जो इसके सभी हितधारकों के सर्वोत्तम हित में हैं।"

एलआईसी ने कहा कि लेख के ये कथित बयान "एलआईसी की संस्थापित निर्णय प्रक्रिया को नुकसान पहुँचाने, और एलआईसी की प्रतिष्ठा और भारत के वित्तीय क्षेत्र के मजबूत आधारों की प्रतिष्ठा एवं छवि को धूमिल करने के इरादे से दिये गये प्रतीत होते हैं।

एलआईसी, जो देश की सबसे बड़ी जीवन बीमा कंपनी है, ने वित्तीय वर्ष 2026 की पहली तिमाही में 3.91 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि के साथ अपनी समेकित शुद्ध लाभ रिपोर्ट की।

एलआईसी की स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग के अनुसार, यह लाभ पिछले वर्ष की समान अवधि के 10,544 करोड़ रुपये से बढ़कर 10,957 करोड़ रुपये हो गया।

विख्यात अभिनेता सतीश शाह नहीं रहे

मुंबई, 25 अक्टूबर। प्रसिद्ध हास्य कलाकार सतीश शाह का शनिवार को 74 साल की उम्र में निधन हो गया। "ये जो है जिंदगी" और "साराभाई वर्सेस साराभाई" जैसे धारावाहिकों में दमदार अभिनय से मशहूर हुए सतीश शाह किडनी संबंधी समस्याओं से ग्रसित थे और हाल ही में उनका किडनी ट्रांसप्लांट भी हुआ था।

उनके मैनेजर रमेश ने उनके निधन की जानकारी देते हुए बताया कि शाह का पार्थिव शरीर अस्पताल में ही है और उनका अंतिम संस्कार रविवार को किया जाएगा। उन्होंने कहा, "आज अपराह्न लगभग दो से 2.30 बजे के बीच शाह का निधन हो गया। परिवार अभी अंतिम संस्कार की तैयारी कर रहा है।"

शाह ने "मैं हूं ना", "दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे" और "ओम शांति ओम" जैसी कई अन्य फिल्म में दमदार भूमिका निभाकर दर्शकों के बीच अपनी

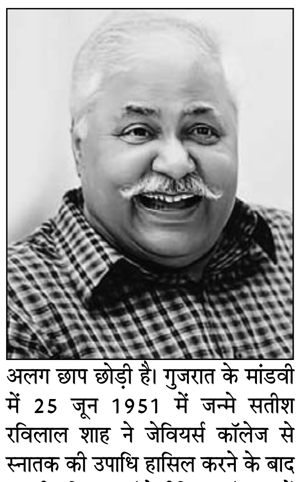

अलग छाप छोड़ी है। गुजरात के मांडवी में 25 जून 1951 में जन्मे सतीश रविलाल शाह ने जेवियर्स कॉलेज से स्नातक की उपाधि हासिल करने के बाद भारतीय फिल्म एवं टेलीविजन संस्थान में शिक्षा ली। शाह ने 250 से अधिक फिल्मों और कई टेलीविजन सीरियल में काम किया है। चार दशकों से भी ज्यादा लंबे करियर में शाह फिल्मों और टेलीविजन,

■ **वे 74 वर्ष के थे। ये जो है जिदंगी और साराभाई वर्सेस साराभाई जैसे धारावाहिकों से मशहूर हुए शाह ने जाने भी दो यारो तथा कई फिल्मों में महत्वपूर्ण किरदार अदा किए थे।**

दोनों में अपनी यादगार भूमिकाओं के जरिए घर-घर में मशहूर हुए। साल 1983 में आई व्यंग्य फिल्म "जाने भी दो यारो" में भूमिका निभाकर उन्हें खास पहचान मिली। शाह ने अपने करियर के दौरान "हम साथ-साथ हैं", "कल हो ना हो", "कभी हां कभी ना", जैसी हिट फिल्मों में भी भूमिका निभायी है।

नियुक्ति के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

परिचर के करीब छह हजार पदों पर भर्ती निकाली थी, जिसकी लिखित परीक्षा के बाद बोर्ड ने याचिकाकर्ता सहित अन्य अभ्यर्थियों को दस्तावेज सत्यापन के लिए बुलाया। गत 29 सितंबर को याचिकाकर्ता को अजमेर जिले में नियुक्ति दी गई।

याचिका में कहा गया कि राज्य सरकार ने गत 13 अक्टूबर को उसकी नियुक्ति को यह कहते हुए निरस्त कर दिया कि उसने अपने खिलाफ दर्ज आपराधिक प्रकरण की जानकारी नहीं दी थी। याचिकाकर्ता की ओर से राज्य सरकार की ओर से की गई इस कार्रवाई को चुनौती देते हुए कहा गया कि उसके खिलाफ साल 2022 में साधारण मारपीट को लेकर मामला दर्ज हुआ था। वहीं, पुलिस ने जांच के बाद प्रकरण को झूठा पाकर मामले में एफआर पेश कर दी। दूसरी ओर विभाग ने उसकी नियुक्ति को रद्द करने से पहले याचिकाकर्ता को अपना पक्ष रखने का मौका नहीं दिया।

ऐसे में उसकी नियुक्ति को रद्द करने के आदेश को निरस्त किया जाए। याचिका पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने याचिकाकर्ता को हटाने के आदेश पर अंतरिम रोक लगाते हुए संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है।

जस्टिस सूर्यकांत सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश बनेंगे

नयी दिल्ली, 25 अक्टूबर। उच्चतम न्यायालय में वर्तमान मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति बी. आर. गवई की आगामी 23 नवंबर पर सेवानिवृत्ति को देखते हुए केंद्र सरकार ने अगले मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति की औपचारिक प्रक्रिया शुरू कर दी है।

कानून और न्याय मंत्रालय ने न्यायमूर्ति गवई को पत्र लिखकर उनके उत्तराधिकारी के नाम की अनुशंसा करने का अनुरोध किया है। स्थापित परंपरा और नियुक्ति की कार्यविधि के अनुसार, उच्चतम न्यायालय के वरिष्ठतम न्यायाधीश को अगले मुख्य न्यायाधीश के रूप में अनुशंसित किया जाता है। वर्तमान में न्यायमूर्ति गवई के बाद वरिष्ठतम न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत हैं।

न्यायमूर्ति गवई द्वारा की गई अनुशंसा पर राष्ट्रपति की स्वीकृति मिलने के बाद न्यायमूर्ति सूर्यकांत औपचारिक रूप से भारत के 53वें मुख्य न्यायाधीश का पदभार ग्रहण कर सकते हैं। ऐसी स्थिति में उनका कार्यकाल 9 फरवरी 2027 तक रहेगा।

दस फरवरी 1962 को जन्मे न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने 1981 में

■ **भारत के 53 वें मुख्य न्यायाधीश के रूप में उनका कार्यकाल 9 फरवरी 2027 तक होगा।**

हरियाणा के हिसार स्थित सरकारी स्नातकोत्तर महाविद्यालय से स्नातक की डिग्री प्राप्त की और 1984 में महार्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक से एलएलबी की पढ़ ाई पूरी की। उन्होंने 1984 में हिसार जिला न्यायालय से अधिवक्ता के रूप में अपने करियर की शुरुआत की और अगले वर्ष पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय, चंडीगढ़ में कामकाज शुरू किया।

वर्ष 2000 में वे हरियाणा के महाधिवक्ता बने और 2001 में उन्हें सीनियर एडवोकेट के रूप में नामित किया गया। उसी वर्ष वे पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के न्यायाधीश बने। बाद में वे 2018 में हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश नियुक्त हुए और 2019 में उन्हें उच्चतम न्यायालय में पदोन्नत किया गया।

भारत में विश्व ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कितना है और कहां कहां हैं।"

चीन के साथ इसका अंतर केवल क्षमता के अंतर को नहीं बल्कि रणनीतिक दृष्टि में भी एक गहरे अंतर को उजागर करता है।

दशकों पहले जब दुनिया गल्फ तेल पर ध्यान केंद्रित कर रही थी, तब चीन ने दुर्लभ पृथ्वी तत्वों के मूल्य को पहचाना था। तब वैश्विक दुर्लभ पृथ्वी तत्वों के लगभग 95 प्रतिशत बाजार तकनीक पर चीन का कब्जा है। जो लगभग सभी स्वच्छ ऊर्जा तकनीक, रक्षा प्रणालियों, इलेक्ट्रिक वाहनों, बैटरियों और उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स के लिए कच्चे माल के रूप में काम करती है। 2023 में एक महत्वपूर्ण क्षण आया जब खनिजों और खनिज संसाधनों (विकास और विनियमन) अधिनियम 1957 को संशोधित किया गया, ताकि 29 महत्वपूर्ण और गहरे खनिजों की खोज में निजी क्षेत्र की भागीदारी की अनुमति मिल सके। अन्वेषण लाइसेंस की शुरुआत एक दार्शनिक परिवर्तन को दर्शाती है, यह स्वीकार करते हुए कि केवल सरकारी एजेंसियां भारत की खनिज संपत्ति को नहीं खोल सकतीं। लगभग 20 कंपनियों ने इस नीति परिवर्तन का लाभ उठाया है, जिनमें से कुछ ने विशेष रूप से महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। पटिल की अपनी कंपनी, वर्तमान में राष्ट्रीय खनिज अन्वेषण ट्रस्ट द्वारा वित्त पोषित दो दुर्लभ पृथ्वी अन्वेषण परियोजनाओं में शामिल है, और इसके परिणाम उत्साहजनक रहे हैं।

फिर भी, यह प्रगति भारत में खनिज अन्वेषण की कठोर वास्तविकता को उजागर करती है।

पटिल के अनुसार "आमतौर पर, अन्वेषण एक लंबी और जटिल प्रक्रिया है," पहले, पिछली सरकार की नीतियों के कारण, खनिज की खोज से उत्पादन तक लगभग 14 से 15 साल का समय लगता था।"

कुरनूल बस हादसे का बड़ा कारण था, 234 स्मार्ट फोन्स का 46 लाख रु. का पार्सल

फॉरैन्सिक विशेषज्ञों ने बताया जब बस में आग लगी तो स्मार्ट फोन्स की बैटरियों में धमाके होने से आग भीषण हो गई और तेजी से बस जलकर खाक हो गई

हैदराबाद, 25 अक्टूबर। आंध्र प्रदेश के कुरनूल में बस में आग लगने की घटना में एक हैरान करने वाला खुलासा हुआ है। फोरेंसिक विशेषज्ञों का मानना है कि है जिस बस में आग लगी, उसमें 234 स्मार्टफोन्स का एक पार्सल रखा था। जब बस में आग लगी तो इन स्मार्टफोन्स की बैटरियों में धमाका हुआ, जिससे आग और भीषण हो गई और लोगों को बचने का समय नहीं मिल पाया।

रिपोर्ट्स के अनुसार, हैदराबाद के एक व्यापारी ने 234 स्मार्टफोन्स का एक पार्सल बस में रखवाया था। यह पार्सल बंगलूरू में ई-कॉमर्स कंपनी के

■ **प्रत्यक्ष दर्शियों ने भी कहा कि जब बस में आग लगी तो उन्होंने भी धमाकों की आवाज सुनी थी।**

पास जाना था, जहां से ये स्मार्टफोन्स ग्राहकों को डिलीवर होने थे। इन स्मार्टफोन्स की कीमत करीब 46 लाख रुपये थी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि जब बस में आग लगी तो उन्होंने धमाके की आवाज सुनी। फोरेंसिक विशेषज्ञों का मानना है कि यह धमाका स्मार्टफोन्स की बैटरियों के फटने से हुआ होगा। इससे आग ने तेजी से बस को अपनी चपेट में ले लिया और लोगों को बचने का मौका नहीं मिला। शुक्रवार को कुरनूल में हुए बस अग्निकांड में 20 लोगों की मौत हुई है।

आंध्र प्रदेश अग्नि सेवा विभाग के महानिदेशक पी वेंकटरमन ने ये भी बताया कि स्मार्टफोन्स की बैटरियों के साथ ही बस के एयर कंडीशनर की बैटरी में भी धमाका हुआ, जिससे आग और भीषण हुई। उन्होंने बताया कि आग इस कदर तेज थी कि बस के फ्लोर की एल्युमीनियम की शीट भी पिघल गई। उन्होंने बताया कि बस द्वारा बाइक को टक्कर मारने के बाद, जब बस ने बाइक को घसीटा तो उससे पेट्रोल बिखर गया और जैसे ही चिंगारी निकली बस ने तेजी से आग पकड़ ली। शुरुआत में बस के अगले हिस्से में आग लगी, जिसने तेजी से पूरी बस को अपनी चपेट में ले लिया।

वेंकटरमन ने ये भी बताया कि बस की बनावट में भी खामियां थीं। उन्होंने कहा कि बस को हल्का रखने और तेज गति देने के लिए बस के फ्लोर की शीट एल्युमीनियम की बनाई गई थी, जबकि यह लोहे की होनी चाहिए थी। एल्युमीनियम की चादर को आग से हुए नुकसान के चलते बचाव अभियान में परेशानी हुई और हादसे की भयावहता बढ़ी।

28 और 29 अक्टूबर को बंद रहेगा पाकिस्तान का एयरस्पेस

पाकिस्तान सरकार ने भारत के सैन्य अभ्यास त्रिशूल के कारण यह कदम उठाया है

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर। पाकिस्तान ने भारत के आगामी सैन्य अभ्यास त्रिशूल के पहले, मध्य और दक्षिणी एयरस्पेस बंद रखने का फैसला लिया है। दोनों एयरस्पेस राजस्थान और गुजरात से सटे जिलों में आते हैं, जिन्हें 28 और 29 अक्टूबर तक बंद रखने का फैसला लिया गया है। इस प्रक्रिया के लिए शनिवार को नोटम जारी किया। नोटम (नोटिस टू एयरमैन) के मुताबिक, इन इलाकों में 28 और 29 अक्टूबर के दिन हवाई मार्ग उपलब्ध नहीं रहेगा और उड़ानों पर रोक रहेगी।

राजस्थान में भारत-पाक सीमा में आगामी 12 दिन अब तक का सबसे बड़ा सैन्य युद्धाभ्यास होगा। इसमें आर्मी,

■ **त्रिशूल सैन्य अभ्यास राजस्थान व गुजरात के सीमावर्ती जिलों में होगा।**

एयरफोर्स सहित, नेवी के 30 हजार से ज्यादा जवान थार में जॉइंट एक्सरसाइज करेंगे। इस युद्धाभ्यास की शुरुआत 30 अक्टूबर से होगी, जो 10 नवंबर तक चलेगी। इस बीच में बॉर्डर के कुछ एरिया में कॉमर्शियल फ्लाइट्स के रूट में बदलाव हो सकता है। एक्सरसाइज जैसलमेर के एरिया से लेकर गुजरात के सर क्रीक इलाके तक होगी।

पाकिस्तान द्वारा हाल ही में पश्चिनी सीमा पर हुए ऑपरेशन 'सिंदूर' के समय से ही पाकिस्तान सेना की तरफ से ड्रोन हमले और घुसपैठ की कोशिशें लगातार बढ़ रही हैं। ऐसे में, इसको ध्यान में रखते हुए इस युद्धाभ्यास में काउंटर ड्रोन सिस्टम, बाधा (जैमिंग) और ऑटोमेटिक स्पेकट्रम मॉनिटरिंग सिस्टम जैसी कई मॉर्डन तकनीकों का परीक्षण किया जाएगा। भारत की तीनों सेना एक साथ तालमेल स्थापित कर यूनिफाइड ऑपरेशन, डीप स्ट्राइक, मल्टी डोमेन वॉरफेयर का अभ्यास करेंगी। इस दौरान भारतीय सेना अपने कई नए स्वदेशी हथियारों और हाईटेक सिस्टमों की टेस्टिंग भी करेगी।

'मई 2025 में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बाद गौतम अडानी और उनके सात सहयोगियों पर अमेरिका में आरोप लगाए गए थे। उन्होंने कहा कि अडानी पर आरोप है कि उन्होंने भारत में महंगे सोलर पावर अनुबंधों को हासिल करने के लिए 2,000 करोड़ रुपये की रिश्वत देने की व्यवस्था की, जबकि मोदी सरकार ने लगभग एक साल तक अमेरिकी एसईसी सम्मन को प्रधानमंत्री के इस सबसे पसंदीदा व्यापार समूह तक पहुंचने ही नहीं दिया।

आगरा में बेकाबू कार ने 8 को कुचला, 5 की मौत

जोमैटो डिलीवरी बाय से टक्कर के बाद कार चालक ने गाड़ी भगाई। शराब ठेके के पास खड़ी भीड़ में कार घुस गई और चार को रौंद दिया

आगरा, 25 अक्टूबर। आगरा में बेकाबू कार ने डिलीवरी बॉय समेत 8 लोगों को रौंद दिया। हादसे में 5 लोगों की मौत हो गई और 3 लोग घायल हैं, जिनमें से 2 की हालत गंभीर है। हादसे वाली जगह के नजदीक पुलिस चेकिंग कर रही थी। यह देखकर कार चला रहा अंशुल गुप्ता घबरा गया। वहां से भागने के लिए उसने स्पीड बढ़ ाकर 100 से ज्यादा कर ली।

कार चालक ने पहले डिलीवरी बॉय को टक्कर मारी। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। अंशुल फिर भी नहीं रुका। उसने 400 मीटर के दायरे में दो जगहों पर 8 और लोगों को रौंद दिया। इसमें से 5 की जान चली गई। इसके बाद कार डिवाइडर से टकराकर पलट गई।

हादसे के बाद लोगों ने कार चालक अंशुल को पकड़ लिया और जमकर पिटाई कर दी। भीड़ ने हंगामा शुरू कर दिया। बवाल की सूचना पर कई थानों की फोर्स मौके पर पहुंची। पुलिस ने जैसे-तैसे भीड़ से अंशुल को बचाया और थाने लेकर आई। हादसा न्यू आगरा थाने से कुछ ही दूरी पर नगला पुरी में हुआ। पुलिस ने बताया कि अंशुल गुप्ता दयालबाग का रहने वाला है। वह नोएडा में एरिक्सन कंपनी में इंजीनियर है। शादीशुदा है और उसका एक बेटा भी है।

पहले कार ने जोमैटो डिलीवरी बॉय की बाइक को टक्कर मारी। टक्कर इतनी तेज थी कि डिलीवरी बॉय भानुप्रताप उछलकर दूर गिरा। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। अंशुल ने उसे बचाने की बजाय, भीड़ से बचने के लिए कार को वहां से भगा दिया। लोग चिल्लाए तो उसने कार की स्पीड बढ़ ा दी। कार बमुश्किल 200 मीटर चल पाई थी कि शराब ठके के पास लगी भीड़ के बावजूद, अंशुल ने कार की स्पीड धीमी नहीं की। कार ने यहां 4 लोगों को रौंद दिया। इनके नाम बबली, उसका बेटा गोलू, कमल और उसके दोस्त कृष हैं। हादसे में बबली, कमल और कृष की मौत हो गई।

भगोड़े लखविंदर कुमार को सीबीआई भारत लाई

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर। भगोड़े अपराधी और लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के गुर्गे लखविंदर कुमार को सीबीआई अमेरिका से भारत लेकर आई है। अधिकारियों के मुताबिक, लखविंदर कुमार के खिलाफ इंटरपोल का रेड नोटिस जारी था।

दस से पन्द्रह ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सबसे पहले शुरू होगा। अधिकारियों ने बताया कि चुनाव आयोग अगले सप्ताह के मध्य में एस.आई.आर. के पहले चरण की घोषणा कर सकता है, जिसमें "10 से 15" राज्य शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि चुनाव आयोग उन राज्यों में मतदाता सूची संशोधन का काम नहीं करेगा, जहाँ स्थानीय निकाय चुनाव हो रहे हैं या होने वाले हैं, क्योंकि जमीनी स्तर पर चुनाव मशीनरी इसमें व्यस्त है और एस.आई.आर. पर ध्यान केन्द्रित नहीं कर पा रही है। ऐसे राज्यों में एस.आई.आर. बाद के चरणों में आयोजित किया जाएगा।

अमृतसर से कुख्यात आतंकी मनप्रीत सिंह गिरफ्तार

पुलिस ने बताया कि यह एक प्रतिबंधित आतंकी संगठन के निर्देश पर काम कर रहा था

अमृतसर, 25 अक्टूबर। पंजाब में अमृतसर के राज्य विशेष अभियान सेल (एसएसओसी) ने शनिवार को एक आतंकवादी नेटवर्क के एक संचालक को गिरफ्तार किया है और उसके कब्जे से लगभग 2.5 किलोग्राम वजन के दो इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) भी बरामद किये गये, जिनमें उच्च श्रेणी का आरडीएक्स, और विस्फोट के लिए टाइमर लगे थे। उसके पास से गोला बारूद के साथ एक अत्याधुनिक .30 बोर पिस्तौल बरामद की है।

पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी की पहचान अमृतसर के कोटला तरखाना गांव

■ **पुलिस को इसके पास ढाई किलो के दो आईईडी, जिनमें आरडीएक्स व टाइमर लगा था, बरामद हुए हैं।**

निवासी मनप्रीत सिंह उर्फ टिड्डी के रूप में हुई है। गुरदासपुर और अमृतसर की जेलों में लगभग डेढ़ साल बिताने के बाद, वह फरवरी 2025 में रिहा हुआ और उसके बाद उसने अपनी आपराधिक गतिविधियां फिर से शुरू कर दीं। यादव ने कहा कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि आरोपी आर्मेनिया, यूनाइटेड किंगडम (यूके) और जर्मनी में बैठे अपने आकाओं के निर्देशों पर काम कर रहा था, जिन्हें एक प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन के पाकिस्तान स्थित सरगना से निर्देश मिल रहे थे।

अमृतसर के सहायक महानिरीक्षक (एआईजी) सुखमिंदर सिंह मान ने बताया कि खुफिया सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए, एसएसओसी अमृतसर की टीम ने संदिग्ध मनप्रीत सिंह उर्फ टिड्डी को गिरफ्तार किया और उसके पास से 30 बोर की एक पिस्तौल और गोला-बारूद बरामद किया। उन्होंने बताया कि उसके खुलासे के बाद, कोटला तरखाना गाँव के इलाके से दो आईईडी भी बरामद किये गये, जो उच्च-गुणवत्ता वाले आरडीएक्स से भरे धातु के कंटेनरों में भरे हुए थे और विस्फोट के लिए टाइमर से लैस थे। एआईजी ने बताया कि जांच से यह भी पता चला है कि लगभग दो हफ़्ते पहले, पाकिस्तान स्थित हैंडलर ने अजनाला सेक्टर में ज़ब्त की गयी खेप को ड्रोन से गिराने में मदद की थी, जिसे गिरफ़्तार व्यक्ति ने बरामद किया और अपने गांव कोटला तरखाना के पास एक नहर के पास छिपा दिया। उन्होंने बताया कि उसके हैंडलर ने उसे तैयार रहने और अगले आदेश का इंतज़ार करने का निर्देश दिया था, और वह आईईडी को किसी और को सौंप सके, ताकि उसका इस्तेमाल किया जा सके।

राष्ट्रदूत हिन्दु संयुक्त परिवार की ओर से सोमेश शर्मा द्वारा ज्वाईन्ट मीडिया, आजाद मार्ग, मैन रोड, आयड, उदयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 57928/93 जयपुर कार्यालयः सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोनः 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513 कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोनः 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोनः 2200660, फैक्स 0151-2527371 अजमेर कार्यालयः राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोनः 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन 226422,226423, फैक्सः 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोनः 230200, 230400, फैक्सः 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्सः 01562-256908

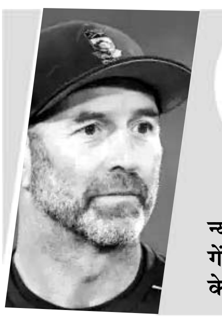

काइल को गेंदबाजी करने के बाद अपनी बांयी ओर थोडी अकडन महसूस हुई और हम गर्मियों के इस स्टेज पर कोई रिस्क नहीं लेना चाहते थे।
- रॉब वाल्टर

न्यूजीलैंड के मुख्य कोच, तेज गेंदबाज काइल जैमीसन की चोट के बारे में बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

श्रेयस अय्यर

तीसरे वनडे मैच में भारतीय मैदान पर तनाव और चिंता का माहौल देखने को मिला। हर्षित राणा की गेंद पर शानदार कैच लेने के लिए दौडे श्रेयस अय्यर गेंद को पकडकर जमीन पर गिर पडे और उन्हें गंभीर चोट लग गई। यह घटना 34वें ओवर की चौथी गेंद पर हुई, जिससे एलेक्स कैरी और मैट रेनशॉ के बीच चौथे विकेट के लिए 59 रनों की साझेदारी टूट गई। फिजियो दौडे, टीम के साथी खिलाडी इकट्ठा हुए, और इसी चिंता के बीच, भारत के पूर्व वनडे कप्तान रोहित शर्मा आगे आए। उन्होंने अय्यर की हालत का जायज़ा लिया और उन्हें खुद बाउंड्री तक ले गए।

क्या आप जानते हैं ?... कोहली से पहले कोई भी क्रिकेटर ऐसा नहीं कर पाया। 108 वनडे मैचों (कुल 305 वनडे) में सफलता के साथ लक्ष्य का पीछा करते हुए विराट कोहली ने 6072 रन बना लिए।

दिल्ली ने पहले दिन चार विकेट पर 306 रन बनाकर की ठोस शुरुआत

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर। अर्पित राणा (64), सनत सांगवान (79), यश ढुल (61) और आयुष दोसेजा (नाबाद 51) की अर्धशतकीय पारियों के दम पर दिल्ली ने एलीट ग्रुप डी मुकाबले के पहले दिन शनिवार को हिमाचल प्रदेश के खिलाफ स्टंप के समय चार विकेट पर 306 रन बनाकर ठोस शुरुआत की। आज यहां टॉस जीतकर हिमाचल प्रदेश ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी दिल्ली के लिए अर्पित राणा और सनत सांगवान की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 103 रन बनाये। 37वें ओवर में देवेश शर्मा ने अर्पित राणा (64) को आउटकर हिमाचल प्रदेश को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद अर्पित गुलेरिया ने यश ढुल (61) और वैभव अरोड़ा ने कप्तान आयुष बदोनी (15) को आउट किया। आज दिन का चौथ विकेट सतन सांगवान (79) का गिरा। उन्हें देवेश शर्मा ने आउट किया। दिन का खेल समाप्त होने के समय दिल्ली ने 86 ओवरों में चार विकेट पर 306 रन बनाकर अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। आयुष दोसेजा (नाबाद 51) और सुमित माथुर (नाबाद 32) क्रीज पर मौजद थे।

अंडर-23 सीनियर विश्व कुश्ती में भारतीय महिला पहलवानों ने जीते पांच कांस्य पदक

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर। नोवी साद (सर्बिया) में चल रही अंडर-23 सीनियर विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में भारतीय महिला पहलवानों ने अपने-अपने भार वर्ग में 5 कांस्य पदक जीतकर शानदार प्रदर्शन किया। पदक विजेता इस प्रकार हैं: 55 किग्रा: निशु, 57 किग्रा: नेहा शर्मा, 65 किग्रा: पुलकित, 68 किग्रा: सृष्टि, 76 किग्रा: प्रिया। इसके अलावा, दो भारतीय पहलवानों ने फाइनल में प्रवेश कर लिया है और कल जापानी प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ स्वर्ण पदक के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी: 53 किग्रा: हंसिका लांबा, 59 किग्रा: सारिका मलिक।

केरल में लियोनेल मेसी का अर्जेंटीना फुटबॉल फ्रेंडली मैच हुआ स्थगित

कोच्चि, 25 अक्टूबर। लियोनेल मेसी और अर्जेंटीना फुटबॉल टीम का अगले महीने केरल में होने वाला फ्रेंडली मैच स्थगित कर दिया गया है। स्पर्धा स्पॉन्सर ने शनिवार को मैच स्थगित किये जाने की घोषणा की। उल्लेखनीय है कि अर्जेंटीना को 17 नवंबर को कोच्चि के जवाहरलाल नेहरू अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एक फ्रेंडली फुटबॉल मैच खेलना था। अर्जेंटीना फुटबॉल एसोसिएशन के प्रतिनिधियों ने सितंबर में वेन्यू का निरीक्षण किया था। कोच्चि का दौरा इस साल फीफा अंतरराष्ट्रीय सत्र के दौरान फ्रेंडली मैचों के लिए ला एल्बिसेलेस्टे की नवंबर के अस्थायी कार्यक्रम का हिस्सा था। स्पॉन्सर ने फीफा से अनुमति मिलने में देरी का हवाला देते हुए कहा कि मैच अगले अंतरराष्ट्रीय सत्र के दौरान पुनर्निर्धारित किया जाएगा। तारीखों की घोषणा नहीं की गई।

लक्ष्य राजेश ने टॉप सीड खिलाड़ी को चौंकाया, पांच भारतीय सेमीफाइनल में, पदक पक्के

चेंगदू, 25 अक्टूबर। चेंगदू में चल रही बैडमिंटन एशिया अंडर-17 और अंडर-15 चैंपियनशिप में भारत का शानदार प्रदर्शन शुक्रवार को नए मुकाम पर पहुंच गया, जहां पांच भारतीय शटलरों ने सेमीफाइनल में जगह बनाई और पदक भी पक्के किए। दिन का मुख्य आकर्षण लक्ष्य राजेश का रहा, जिन्होंने अंडर-17 बालिका एकल क्वार्टर फाइनल में शीर्ष वरीयता प्राप्त थाईलैंड की ललिता सत्तायाथाकून को 11-21, 21-16, 21-19 से हराकर जबरदस्त वापसी की। उनकी जीत ने भारतीय दल के लिए एक शानदार ऑल-राउंड दिन का समापन किया, जो अब कई सेमीफाइनल श्रेणियों में खेल रहा है। लक्ष्य के साथ अंतिम चार में छठी वरीयता प्राप्त दीक्षा सुधाकर भी पहुंच गईं, जिन्होंने एक और शानदार प्रदर्शन करते हुए इंडोनेशिया की रईस्या अफ्फातुनिसा को 21-17, 21-8 से हराया। लड़कों के एकल वर्ग में, जगशेर सिंह खंगुरा ने हांगकांग के झान शिंग युई को सीधे गेमों में 21-13, 21-14 से हराकर अपनी शानदार फॉर्म जारी रखी। भारत ने युगल वर्ग में भी अपनी प्रगति का जश्न मनाया, जहां जंगजीत सिंह काजला और जननिका रमेश अपने चीनी प्रतिद्वंद्वियों के रिटायर होने के बाद अंडर-17 मिश्रित युगल सेमीफाइनल में पहुंच गए। इससे पहले, शीर्ष वरीयता प्राप्त शाइना मणिमुथु ने जापान की युबुकी अज़ुमाया को 21-14, 21-16 से हराकर अंडर-15 बालिका एकल सेमीफाइनल में आसानी से प्रवेश किया। दोनों आयु वर्गों में पांच सेमीफाइनलिस्टों के साथ, भारत के युवा शटलरों ने अब तक के अपने सबसे यादगार महाद्वीपीय अभियानों में से एक का प्रदर्शन किया है।

एनटीपीसी नेशनल रैंकिंग तीरंदाजी 28 से जयपुर में

जयपुर, 25 अक्टूबर। एनटीपीसी नेशनल रैंकिंग तीरन्दाजी टूर्नामेंट 28 अक्टूबर से 2 नवम्बर तक जयपुर में जगतपुरा आर्चरी एरिना में आयोजित किया जाएगा। टूर्नामेंट में देशभर से चार सौ से ज्यादा खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। अलग- अलग कैटेगरी में राजस्थान के 60 से ज्यादा खिलाड़ी प्रतियोगिता में निशाने साधेंगे। पैरा ओलंपियन शीतल देवी प्रतियोगिता को मुख्य आकर्षण होंगी। इसके अलावा कई अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी शिरकत करेंगे। राजस्थान तीरन्दाजी एसोसिएशन के महासचिव सुरेन्द्र सिंह ने शनिवार को यहां बताया कि टूर्नामेंट में सीनियर, जूनियर और सबजूनियर कैटेगरी में कंपाउण्ड और रिकर्व स्पर्धाएं आयोजित की जाएंगी। सुरेन्द्र सिंह ने बताया कि राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के आधार पर सीनियर कंपाउण्ड पुरुष वर्ग में राजस्थान के प्रद्युमन यादव, प्राजवल और पुलकित काजला ने क्वालीफाई किया है।

रोहित-विराट के दम पर भारत ने बचाया सम्मान

सिडनी 25 अक्टूबर। हर्षित राणा (चार विकेट) के बाद रोहित शर्मा (नाबाद 121) और विराट कोहली (नाबाद 74) के दमदार प्रदर्शन की बदौलत भारत ने शनिवार को तीसरे एकदिवसीय मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को 69 गेंदे शेष रहते नौ विकेट से हरा दिया। 237 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी रोहित शर्मा और कप्तान शुभमन गिल की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट लिए 69 रन जोड़े।

11वें ओवर में जॉश हेजलवुड ने शुभमन गिल को आउटकर ऑस्ट्रेलिया को पहली सफलता दिलाई। शुभमन गिल ने 26 गेंदों में दो चौके और एक छक्का लगाते हुए (24) रन बनाये। इसके बाद बल्लेबाजी करने आयी विराट कोहली ने रोहित शर्मा के साथ ना केवल पारी को संभाला तेजी के साथ रन भी बटोरे। रोहित ने 33वें ओवर की आखिरी एक रन लेकर अपना शतक पूरा किया। यह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ रोहित का नौवां शतक है।

उन्होंने अपना शतक पूरा करने के लिए 105 गेंदों का सामना किया और 11 चौके और दो छक्के लगाये। दोनों बल्लेबाजों ने ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों की जमकर खबर ली और दूसरे विकेट के लिए 168 रनों अविजित साझेदारी कर भारत को 38.3 ओवर में 237 रन बनाकर नौ विकेट से जीत दिला दी। रोहित शर्मा 124 गेंदों में 13 चौके और तीन छक्के लगाते हुए (नाबाद121) रनों की पारी खेली। वहीं विराट कोहली ने 81 गेंदों में सात चौके लगाते हुए (नाबाद74) रन बनाये।

विराट ने नेथन एलिस की गेंद पर चौका लगाकर भारत को जीत दिलाई। हालांकि ऑस्ट्रेलिया ने तीन मैचों यह श्रृंखला 3-1 से जीती ली है।

ऑस्ट्रेलिया की ओर एकमात्र कामयाब गेंदबाज हेजलवुड रहे। इससे पहले आज यहां ऑस्ट्रेलिया के कप्तान मिचेल मार्श ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया। बल्लेबाजी करने उतरे ट्रैविस हेड और कप्तान मिचेल शर्मा की जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 61 रन जोड़े। 10वें ओवर में मोहमम्द सिराज ने ट्रैविस हेड 25 गेंदों में (29) को आउट कर भारत को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये मैथ्यू शॉर्ट ने मिचल मार्श के साथ पारी को संभालने का प्रयास किया। इसी दौरान अक्षर पटेल ने 16वें ओवर में मिचेल मार्श (41) को बोल्ड कर पवेलियन भेज दिया।

इसके बाद मैट रेनशॉ ने मैथ्यू शॉर्ट के साथ चौथे विकेट के लिए 61 रन जोड़े। मैथ्यू शॉर्ट (30) को 23वें ओवर में वॉशिंगटन सुंदर ने आउट किया। एलेक्स कैरी (24), मिचेल ओवेन (एक) को हर्षित राणा ने आउट किया। मैट रेनशॉ ने 58 गेंदों का सामना किया और अपनी 56 रनों की पारी में दो चौके लगाये। उन्हें भी 37वें ओवर में हर्षित राणा ने आउट किया।

मिचेल स्टार्क (दो) को कुलदीप यादव तथा नेथन एलिस (16) को प्रसिद्ध कृष्णा ने आउट किया। हर्षित राणा ने 47वें ओवर की दूसरी गेंद पर कूपर कॉनली (23) और इसी ओवर की चौथी गेंद पर जॉश हेजलवुड (शून्य) को आउटकर ऑस्ट्रेलिया की पारी का 236 के स्कोर पर अंत कर दिया। भारत की ओर से हर्षित राणा ने 8.4 ओवर में 39 रन देकर चार विकेट लिये। वॉशिंगटन सुंदर को दो विकेट मिले। मोहम्मद सिराज, अक्षर पटेल, प्रसिद्ध कृष्णा और कुलदीप यादव ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

नई शुरुआत करना हमेशा महत्वपूर्ण होता है : रोहित

सिडनी, 25 अक्टूबर। सिडनी क्रिकेट ग्राउंड (एससीजी) में तीसरे और अंतिम वनडे में मैच विजयी शतक जड़ने वाले रोहित शर्मा ने आज ऑस्ट्रेलिया से संभावित विदाई के संकेत दिए। उन्होंने सिडनी क्रिकेट ग्राउंड (एससीजी) में प्लेयर ऑफ द मैच और प्लेयर ऑफ द सीरीज चुने जाने के बाद अपने करियर पर विचार किया। रोहित ने कहा, ''मुझे नहीं पता कि हम क्रिकेटर के रूप में वापसी करेंगे या नहीं, लेकिन मैंने हर पल का आनंद लिया है।'' उन्होंने भविष्य के दौरों की अनिश्चितता को स्वीकार करते हुए खेल खेलने में मिली खुशी और संतुष्टि का भी ज़िक्र किया। उनकी टिप्पणियों से संकेत मिलता है कि यह ऑस्ट्रेलिया में उनका आखिरी मैच हो सकता है, हालांकि इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

भारतीय सलामी बल्लेबाज, जिन्होंने अनुकरणीय कौशल और धैर्य के साथ टीम का नेतृत्व किया, ने अगली पीढ़ी को निखारने के महत्व पर ज़ोर दिया। उन्होंने कहा, ''यह एक युवा टीम है, और कई खिलाड़ियों ने पहले ऑस्ट्रेलिया में नहीं खेला है। जब मैंने पहली बार यहां दौरा किया था, तो सीनियर खिलाड़ियों ने मेरा मार्गदर्शन किया था। अब हमारी बारी है कि हम भी ऐसा ही करें।''

भारत के तीन मैचों की श्रृंखला 1-2 से हारने के बावजूद, रोहित टीम की प्रतिभा और क्षमता को लेकर आशावादी बने रहे। उन्होंने तैयारी, योजना और बुनियादी बातों पर टिके रहने के महत्व पर भी बात की। रोहित ने ऑस्ट्रेलियाई परिस्थितियों की चुनौती और अनुकूलनशीलता की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए कहा, ''आपको स्थिति को समझना होगा, परिस्थितियों को समझना होगा और देखना होगा कि आप सबसे अच्छा क्या कर सकते हैं।''

2008 में अपने पहले ऑस्ट्रेलिया दौरे को याद करते हुए, रोहित ने कहा कि एससीजी ने हमेशा उनके करियर में एक विशेष स्थान रखा है। उन्होंने टीम के साथी विराट कोहली का भी आभार व्यक्त किया और इस मैदान पर खेलने के लिए उनके साझा प्रेम का उल्लेख किया।

रोहित ने जड़ा ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपना नौवां शतक

सिडनी 25 अक्टूबर। भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा ने सभी आलोचनाओ को विराम देते हुए शनिवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपना नौवा शतक जड़ा। यह उनके एकदिवसीय करियर का 33वां शतक है। आज यहां ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय मुकाबले में रोहित शर्मा ने 21वें ओवर की चौथी गेंद पर एक रन लेकर अपना अर्धशतक पूरा किया। ये उनका इस सीरीज में लगातार दूसरा अर्धशतक था। इससे पहले एडिलेड में भी उन्होंने 73 रनों की पारी खेली थी। इसके बाद उन्होंने ऑस्ट्रेलिया गेंदबाजों की खबरा लेते हुए अपने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट करियर का पचासवां शतक पूरा किया। रोहित ने टेस्ट क्रिकेट में 12, एकदिवसीय में 33 और टी-20 में पांच शतक बनाये है। वह क्रिकेट के तीनों प्रारूपों में यह कारनामा करने अकेले बल्लेबाज है। उन्होंने 105 गेंदों में 11 चौके और दो छक्कों की मदद से 100 रन बनाये। उन्होंने एडम जम्पा की गेंद पर एक रन लेकर अपने एकदिवसीय करियर का 33वां शतक पूरा किया।

रोहित वनडे में 100 कैच लेने वाले एलीट क्लब में शामिल

सिडनी, 25 अक्टूबर। रोहित शर्मा एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैचों में 100 से ज़्यादा कैच लेने वाले भारतीय क्रिकेटरों के विशिष्ट समूह में शामिल हो गए हैं, जिससे एक क्षेत्ररक्षक के रूप में उनकी कुशलता का पता चलता है। उन्होंने आज सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर खेले गए तीसरे वनडे में ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी के दौरान यह उपलब्धि हासिल की। भारत के शीर्ष क्षेत्ररक्षकों की सूची में विराट कोहली (163), मोहम्मद अजहरुद्दीन (156), सचिन तेंदुलकर (140), राहुल द्रविड़ (124) और सुरेश रैना (102) भी शामिल हैं। रोहित का प्रभाव मैच में पूरी तरह से दिखा, जहां उन्होंने दो महत्वपूर्ण कैच लपके। 37.4वें ओवर में, हर्षित राणा ने मिशेल ओवेन को एक तेज लेंथ की गेंद फेंकी, जो पीछे हटकर गेंद को किनारे से पहली स्लिप में ले गए। रोहित ने कैच को आसानी से पकड़ लिया, जिससे राणा को तीन ओवर में अपना दूसरा विकेट मिला। बाद में, 43.5वें ओवर में, प्रसिद्ध कृष्णा ने नाथन एलिस को धीमी यॉर्कर गेंद फेंकी, लेकिन वह लो फुल-टॉस में बदल गई। एलिस ने स्लॉग करने की कोशिश की, लेकिन टाइमिंग सही नहीं रही और रोहित ने मिड-विकेट पर एक आसान कैच लपका। एलिस 19 गेंदों पर 16 रन बनाकर आउट हो गए (4 चौके, 3 डॉट)। भारत ने राणा के शानदार स्पेल की बदौलत ऑस्ट्रेलिया को 46.4 ओवर में 236 रन पर रोक दिया, जिन्होंने 8.4 ओवर में 39 रन देकर चार विकेट लिए।

कोग्निवेरा इंटरनेशनल पोलो कप में भारत ने अर्जेंटीना को 10-9 से हराया

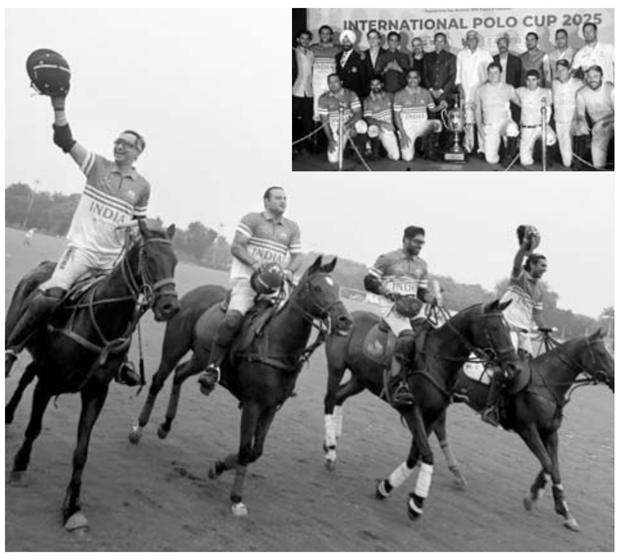

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर। प्रतिष्ठित कोग्निवेरा इंटरनेशनल पोलो कप 2024 में कौशल, गति और खेल भावना का शानदार प्रदर्शन देखने को मिला, जब टीम इंडिया ने प्रतिष्ठित जयपुर पोलो ग्राउंड, नई दिल्ली में आयोजित एक रोमांचक मुकाबले में अर्जेंटीना को 10-9 से हरा दिया। इस कार्यक्रम में एक हज़ार से ज़्यादा विशिष्ट अतिथियों ने शिरकत की, जिनमें केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत भी शामिल थे, जिन्होंने मुख्य अतिथि के रूप में इस अवसर की शोभा बढ़ाई।

इस अवसर पर अरुणाचल प्रदेश के सांसद, संसदीय कार्य मंत्री और अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू; जिंदल स्टील एंड पावर के अध्यक्ष, कुरुक्षेत्र के सांसद और पोलो संरक्षक नवीन जिंदल, कोग्निवेरा आईटी सॉल्यूशंस के सीईओ और एमडी कमलेश शर्मा, प्रसिद्ध कवि डॉ. कुमार विश्वास भी उपस्थित थे . लेफ्टिनेंट जनरल वी.एम.बी. कृष्णन, क्वार्टर मास्टर जनरल, भारतीय सेना; और कई देशों के राजदूतों और राजनयिकों ने इस आयोजन के वैश्विक कद को रेखांकित किया।

उत्साही दर्शकों द्वारा प्रोत्साहित, जयपुर के सवाई पद्मनाभ सिंह के नेतृत्व में टीम इंडिया ने दुर्जेय अर्जेंटीना की टीम के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया। सटीक हमलों से लेकर रणनीतिक चालों तक, इस मैच में जुनून, शक्ति और साझेदारी के साथ अंतर्राष्ट्रीय पोलो का सार समाहित था।

शाम का समापन एक भव्य ट्रॉफी वितरण समारोह के साथ हुआ, जिसमें न केवल भारत की जीत का जश्न मनाया गया, बल्कि इस खेल की पहचान बन चुके अंतर्राष्ट्रीय सौहार्द की भावना का भी जश्न मनाया गया। कोग्निवेरा इंटरनेशनल पोलो कप 2024 ने एक बार फिर वैश्विक पोलो सर्किट पर भारत की बढ़ती प्रमुखता और खेल की शाश्वत भव्यता को उजागर किया।

भारतीय वायुसेना ने पंजाब पुलिस को 3-2 से हराया

जालंधर, 25 अक्टूबर। ओलंपियन खिलाड़ियों से सुसज्जित पंजाब पुलिस को 42वें इंडियन ऑयल सर्वो सुरजीत हॉकी टूर्नामेंट में भारतीय वायु सेना के हाथों 3-2 से हार का सामना करना पड़ा। जालंधर के ओलंपियन सुरजीत हॉकी स्टेडियम में शनिवार को आयोजित टूर्नामेंट के तीसरे दिन, लीग राउंड के दूसरे मैच में सीआरपीएफ दिल्ली और भारतीय रेलवे दिल्ली 1-1 से बराबरी पर रहे। पहला मैच पूल बी में भारतीय वायु सेना और 10 ओलंपियन खिलाड़ियों से सुसज्जित पंजाब पुलिस, जालंधर के बीच खेला गया। पंजाब पुलिस के लिए पहला गोल खेल के 7वें मिनट में प्रभदीप सिंह ने किया और स्कोर 1-0 कर दिया। जबकि 9वें मिनट में भारतीय वायु सेना के सुमित ने गोल करके स्कोर 1-1 कर दिया। खेल के 35वें मिनट में, पंजाब पुलिस के ओलंपियन दिलप्रीत सिंह ने पूर्व भारतीय टीम के कप्तान मनप्रीत सिंह के पास पर गोल करके स्कोर 2-1 कर दिया। खेल के 39वें मिनट में, एयर फ़ोर्स के एम. क्रिअप्पा ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके स्कोर 2-2 कर दिया। खेल के 41वें मिनट में, एयर फ़ोर्स के सागर सिंगड़े ने गोल करके स्कोर 3-2 कर दिया। मैच के दौरान, पंजाब पुलिस को 13 पेनल्टी कॉर्नर मिले, लेकिन एयर फ़ोर्स के गोलकीपर पुनन्ना पलांगड़े ने भारतीय टीम के कप्तान ओलंपियन हरमनप्रीत सिंह और ओलंपियन रूपिंदरपाल सिंह द्वारा लिए गए सभी पेनल्टी कॉर्नर बचा लिए।

ऑस्ट्रेलिया रहा नंबर वन, सेमीफाइनल में भारत से भिड़ेगा

इंदौर, 25 अक्टूबर। प्लेयर ऑफ द मैच अलाना किंग (सात विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी के दम पर ऑस्ट्रेलिया ने शनिवार को महिला विश्वकप के 26वें मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करने उतरी दक्षिण अफ्रीका को 24 ओवर में 97 रन के स्कोर पर ढेर कर दिया और फिर 163 ओवर में तीन विकेट पर 98 रन बनाकर एकतरफा जीत और तालिका में नंबर एक स्थान हासिल किया। ऑस्ट्रेलिया अब 30 अक्टूबर को नवी मुंबई में दूसरे सेमीफ़ाइनल में भारत से खेलेगा, जबकि दक्षिण अफ्रीका 29 अक्टूबर को गुवाहाटी में पहले सेमीफ़ाइनल में इंग्लैंड से भिड़ेगा।

इससे पहले टॉस जीतकर ऑस्ट्रेलिया ने पहले गेंदबाजी करने का सही फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी दक्षिण अफ्रीका के लिए लॉरा वुलफार्ट और तेजमिन ब्रिट्स की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 32 रन जोड़े। यह उनकी टीम की ओर आज के मैच में सबसे बड़ी साझेदारी रही। सातवें ओवर में मेगन शट ने लॉरा वुलफार्ट को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। लॉरा वुलफार्ट 26 गेंदों में सात चौके लगाते हुए 31 रनों की पारी खेली। इसके बाद ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजी कहर के आगे दक्षिण अफ्रीका का कोई भी बल्लेबाज अधिक देर तक पिच पर नहीं टिक सका। आलम यह था कि दक्षिण अफ्रीका के आठ बल्लेबाज दहाई आंकड़े तक भी नहीं पहुंच सके। सिनालो जाफ्टा ने 17 गेंदों में 29 रन बनाये। 24वें ओवर की आखिरी गेंद पर अलाना किंग ने नडीन डी क्लर्क (14) को आउट कर दक्षिण अफ्रीका की पारी का 97 के स्कोर पर अंत कर दिया।

ऑस्ट्रेलिया के लिए अलाना किंग ने सात ओवर में 18 रन देकर सात विकेट झटके और इसके लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला। मेगन शट, किम गार्थ और एश्ले गार्डनर ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

लक्ष्य छोटा था और ऑस्ट्रेलिया को ज्यादा परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा। जॉर्जिया वॉल ने नाबाद 38 और बेथ मूनी ने 42 रन बनाकर ऑस्ट्रेलिया को आसान जीत की मंजिल पर पहुंचा दिया। ऑस्ट्रेलिया ने 165 ओवर में जीत हासिल कर ली। इस जीत के साथ ऑस्ट्रेलिया ने अपना शीर्ष स्थान सुनिश्चित कर लिया है और टूर्नामेंट में एकमात्र अपराजित टीम बनी हुई है।

इंदौर में दो ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेटरों के साथ हुई छेड़छाड़

यह एक बेहद निंदनीय घटना है : सैकिया

इंदौर, 25 अक्टूबर। इंदौर में दो ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेटरों के साथ एक मोटरसाइकिल सवार ने छेड़खानी की और उन्हें ''अनुचित तरीके से छुआ।'' ऑस्ट्रेलियाई टीम महिला विश्व कप का अपना आख़िरी लीग मैच खेलने के लिए फ़िलहाल इंदौर में है, जहां वे शनिवार को दक्षिण अफ्रीका के ख़िलाफ़ उतरेंगे। यह घटना गुरुवार सुबह घटित हुई, जब दोनों खिलाड़ी एक कैफ़े की ओर पैदल जा रही थीं।

बीसीसीआई के सचिव देवजीत सैकिया ने घटना की निंदा करते हुए कहा, ''यह एक बेहद निंदनीय घटना है। भारत अपनी मेहमाननवाज़ी और देखभाल के लिए जाना जाता है। ऐसी घटनाओं के प्रति हमारी ज़ीरो टॉलरेंस नीति है। हम राज्य पुलिस (मध्य प्रदेश) की त्वरित कार्रवाई की सराहना करते हैं, जिन्होंने दोषी को पकड़ लिया है। कानून अपना काम करेगा और दोषी को उचित सज़ा मिलेगी। अगर जरूरत पड़ी तो हम अपनी सुरक्षा प्रोटोकॉल की समीक्षा करेंगे ताकि सुरक्षा और मजबूत की जा सके।''

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने एक बयान जारी करते हुए कहा, ''सीए पुष्टि कर सकता है कि ऑस्ट्रेलियाई महिला टीम की दो सदस्यों के पास एक मोटरसाइकिल सवार आया और उन्हें अनुचित तरीके से छुआ। इस मामले को टीम की सुरक्षा दल द्वारा पुलिस को बताया गया है और अब वे इसकी जांच कर रहे हैं।''

जब यह टूर्नामेंट शुरू हो रहा था, तब मध्य प्रदेश पुलिस ने बीसीसीआई और एमपीसीए के साथ मिलकर एक सुरक्षा प्रोटोकॉल तय किया था। हम यह भी जांच कर रहे हैं कि इस सुरक्षा प्रोटोकॉल में कहां चूक हुई।

राजस्थान-जम्मू एंड कश्मीर : राजस्थान पहली पारी में 152 रन ऑलआउट

जयपुर, 25 अक्टूबर। आज से श्रीनगर में शुरू हुए राजस्थान - जम्मू एंड कश्मीर रणजी मैच के पहले दिन का स्कोर व राजकोट में राजस्थान - सौराष्ट्र टीमों के मध्य खेले गए अंडर 19 वीनू मांकड़ ट्रॉफी नॉक आउट मैच का परिणाम :-

रणजी मैच, राजस्थान - जम्मू एंड कश्मीर। राजस्थान पहली पारी 152 आल आउट। टीम के लिए महिपाल लोमरोर नाबाद 37, कार्तिक शर्मा 32, आकाश सिंह 24 व दीपक चाहर 23 रन। जम्मू एंड कश्मीर के गेंदबाज सुनील कुमार 32/4, आकिब 29/3 व युद्धवीर 48/2 विकेट। जम्मू एंड कश्मीर पहली पारी 66/2, पहले दिन का खेल समाप्त होने तक जम्मू एंड कश्मीर टीम ने 2 विकेट के नुकसान पर 66 रन बना लिए थे। राजस्थान के गेंदबाज अनिकेत चौधरी व दीपक चाहर ने 1 -1 विकेट प्राप्त किये। राजस्थान के तेज गेंदबाज अनिकेत चौधरी ने रणजी ट्रॉफी मैं 300 विकेट प्राप्त किये।

राजकोट राजस्थान - सौराष्ट्र अंडर 19 वीनू मांकड़ ट्रॉफी नॉक आउट मैच सौराष्ट्र ने राजस्थान को सुपर ओवर में हराया। सौराष्ट्र पहली पारी - 340/4, टीम के लिए वंश आचार्य नाबाद 165, हरवंश 68, पुष्पराज 62 रन। राजस्थान के गेंदबाज भव्य राज 71 /2 व अभिषेक, पर्व प्रत्येक 1-1 विकेट। राजस्थान पारी 340/9, टीम ने बल्लेबाजों व आल राउंडर्स ने शानदार खेल दिखतेहै विशाल लक्ष्य की बराबरी करते हुए मैच को सुपर ओवर तक पहुँचाया। टीम के लिए कुशाग्र ओझा 85, साहिब अभिचंदानी 60, शिफॉन खान 49, पर्व झालानी 40 व भव्यराज नाबाद 29 रनो का योगदान दिया।

सुपर ओवर, राजस्थान पारी 10/1, टीम के लिए जयवर्धन 5 , पर्व झालानी नाबाद 4 व कुशाग्र ओझा नाबाद 1 रन। सौराष्ट्र पारी 14/0, टीम के लिए हरवंश नाबाद 14 रन। राजस्थान - हैदराबाद अंडर 23 सी के नायडू ट्रॉफी मैच कल से जयपुर में राजस्थान क्रिकेट संघ की मेजबानी में जैपुरिया ग्राउंड पर खेला जायेगा , आज मैच से पूर्व दोनों टीमों ने जमकर अभ्यास किया।

रॉबिन की नाबाद पारी एवं मोहित गुप्ता की शानदार गेंदबाजी से नैना क्रिकेट एकेडमी 7 विकेट से विजयी

जयपुर, 25 अक्टूबर। मैत्री क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित आज नैना क्रिकेट ग्राउण्ड जगतपुरा में चतुर्थ डॉ.ए.पी.जे अब्दुल कलाम स्मृति टी-20 क्रिकेट प्रतियोगिता के अन्तर्गत खेले गये पूल-ए के मुकाबले में नैना क्रिकेट एकेडमी ने मोहित गुप्ता 16 रन पर 3 विकेट तथा रॉविन सिंह 45 रन नाबाद की मदद से मंगलम क्रिकेट एकेडमी को 7 विकेट से हराकर 2 अंक अर्जित किये।

टॉस जीतकर मंलगम क्रिकेट एकेडमी ने पहले बल्लेबाजी का निर्णय लिया और 19 रन पर ही अपने 3 महत्वपूर्ण विकेट गवा दिये चौथे विकेट पर अनुज कुमार 35 रन तथा संयम जैन 34 रन ने मिलकर अपनी टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पंहुचाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया और निर्धारित 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 121 रन बना लिये। गेंदबाजी में नैना क्रिकेट एकेडमी की ओर से मोहित गुप्ता 16 रन पर 3 विकेट, अमन सिंह 24 रन पर 2 विकेट, आरव चौधरी, आशीष शर्मा और मोहम्मद गाजी प्रत्येक 1-1 विकेट लेकर सफल गेंदबाज रहे।

जम्मू-कश्मीर ने राजस्थान को बराबरी पर रोका

जयपुर, 25 अक्टूबर। राजस्थान का पहला मैच जम्मू-कश्मीर के साथ खेला गया। कोच देवेन्द्र सिंह भाटी ने बताया की राजस्थान टीम ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल का प्रदर्शन किया और मैच के 16वे मिनट में ही राजस्थान टीम की ओर से जर्सी नंबर 16 ऐंजो सचिन ने गोल कर टीम को बढ़त दिला दी। इसके बाद जम्मू-कश्मीर ने 35वे मिनट गोल कर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। इसके तुरंत बाद राजस्थान टीम ने जवाबी हमला करते हुए 36वे मिनट में जर्सी नंबर 11 में खेल रहे माधव चतुर्वेदी गोल कर राजस्थान को बढ़त दिला कर स्कोर 2-1 कर दिया और इसके बाद जम्मू-कश्मीर ने मैच के 44वे मिनट में गोल कर स्कोर 2-2 कर दिया । मैच के मध्यांतर तक राजस्थान टीम मैच पर अपनी पकड़ मजबूत बनाए रखी और स्कोर 2-2 रहा।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

उदयपुर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

उदयपुर, रविवार 26 अक्टूबर, 2025